दैनिक

छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 186 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये गुरूवार 09 अक्टूबर 2025 डाक-शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

आतंकियों से मुठभेड़ में पाकिस्तान के 11 जवानों की मौत, मृतकों में लेफ्टिनेंट कर्नल भी शामिल

इस्लामाबाद ,09 अक्टूबर । बुधवार को अफगान सीमा के पास एक पाकिस्तानी सैन्य काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले में नौ जवान और दो अधिकारी मारे गए। पाकिस्तानी तालिबान ने इसकी जिम्मेदारी ली है। स्थानीय मीडिया संस्थानों ने इसकी जानकारी दी है। पाकिस्तान सशस्त्र बल के प्रवक्ता (डीजी आईएसपीआर) ने पुष्टि की है कि खैबर पख्तूनख्वा के ओरकजई जिले में पाकिस्तानी तालिबान के हमले में लेफ्टिनेंट कर्नल और मेजर रैंक के दो अधिकारियों सहित 11 सैनिक शहीद हो गए। कई आतंकवादियों के भी मारे जाने की खबर है। लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद आरिफ (39), जो ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे थे, और मेजर तय्यब रहत (33) अपने नौ साथियों के साथ मारे गए।

उत्तर-पश्चिमी कुर्रम जिले में पहले सड़क किनारे बम धमाके किए गए, इसके बाद गोलीबारी शुरू कर दी गई। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि इस अभियान के दौरान आतंकियों को भी मार गिराया गया, जो पास के ओरकजाई जिले में छिपे थे। रॉयटर्स ने बताया है कि इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान-पाकिस्तान (टीटीपी) ने ली है। संगठन ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने काफिले पर हमला किया था। पिछले कुछ महीनों से टीटीपी ने पाकिस्तान में सुरक्षा बलों पर हमले तेज कर दिए हैं। यह संगठन पाकिस्तान सरकार को गिराकर अपने सख्त इस्लामी शासन की स्थापना करना चाहता है।

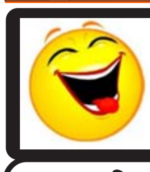

वाह वाह

०० बिहार में शादी हो रही थी।

उस शादी में दुल्हन का प्रेमी भी आया थाژ

दुल्हन का बाप- आप कौन हैं?

प्रेमी- जी मैं सेमी फाइनल में फेल हो गया था, फाइनल देखने आया हूंژ

प्रेमी का जवाब सुनकर दुल्हन का बाप बेहोश हो गया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए कई रक्षा समझौते, राजनाथ और मार्लेस की उपस्थिति में बनी सहमति

जालंधर , 09 अक्टूबर [एजेंसी]। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय रणनीतिक सहयोग को मज़बूत करने के लिए गुरुवार को कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच यह सहमति बनी। राजनाथ सिंह ने कैनबरा के संसद भवन में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़, मार्लेस और दोनों पक्षों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की। राजनाथ सिंह ने बताया कि इस बैठक में दोनों देशों ने आपसी रक्षा सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की, और

व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व की पुष्टि की। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने और साझा क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने में ऑस्ट्रेलिया के निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, हम एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए मिलकर सहयोग को और बढ़ायेंगे। मार्लेस ने कहा, आज का दिन हमारे देशों के बीच गहरे विश्वास और रणनीतिक तालमेल में निहित है। यह अब हमारे दोनों के रक्षा बलों के बीच और भी गहरे परिचालन स्तर के जुड़ाव में बदल रहा है। हमारे ऑपरेशनल कमांड के बीच स्टाफ वार्ता के संबंध में हमने जो समझौता किया है, वह बेहद महत्वपूर्ण है। एक्स पर एक पोस्ट में, राजनाथ सिंह ने लिखा, ऋमार्लेस के साथ उपयोगी बैठक हुई। हमने रक्षा उद्योग, साइबर रक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय चुनौतियों सहित भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की।

हमने अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व की फिर से पुष्टि की। उन्होंने लिखा, मैंने भारत के रक्षा उद्योग के तेज़ी से विकास और वैश्विक स्तर पर उच्च-गुणवत्ता वाली रक्षा तकनीक के एक विश्वसनीय स्त्रोत के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। हमने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गहरी रक्षा उद्योग साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की।

हिंदुस्तान को दहलाने की साजिश नाकाम, जालंधर से दो आंतकी गिरफ्तार, 2.5 किलो आईईडी बरामद

जालंधर , 09 अक्टूबर [एजेंसी]। पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 2.5 किलोग्राम आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस)/ आरडीएक्स और एक रिमोट कंट्रोल बरामद किया गया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरजिंदर सिंह और दीवान सिंह के तौर पर हुई है। उन्होंने कहा

कि इस मॉड्यूल का संचालन ब्रिटेन स्थित हैंडलर निशान जौरियन और आदेश जमाराय द्वारा बीकेआई के सरगना हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देश पर किया जा रहा था। डीजीपी यादव ने कहा कि प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि आईईडी का उद्देश्य एक लक्षित आतंकी हमला करना था। यूएपीए और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत थाना एसएसओसी, अमृतसर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और संगठित अपराध नेटवर्क को ध्वस्त करने और पंजाब में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के अपने मिशन पर अडिग है।

छिंदवाड़ा कफ सिरप केस:दवा कंपनी का मालिक चेन्नई से गिरफ्तार

छिंदवाड़ा , 09 अक्टूबर [एजेंसी]। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप के कारण 20 बच्चों की मौत के बाद दवा कंपनी के मालिक रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया है। चेन्नई पुलिस की सहायता से मध्य प्रदेश पुलिस ने यह कार्रवाई की। जानकारी सामने आई है कि कंपनी मालिक रंगनाथन को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से गिरफ्तार किया गया है। मासूम बच्चों की मौत के बाद कंपनी मालिक रंगनाथन फरार था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। इसी कड़ी में पुलिस ने गुरुवार सुबह उसे अरेस्ट कर

लिया। रंगनाथन को आगे की जांच के लिए सुंगुवरछत्रम ले जाया जा रहा है।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 20 बच्चों की जिस 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप से मौत हुई थी, वह श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स ने बनाई थी। जांच में खुलासा हुआ कि सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा तय सीमा से ज्यादा थी, जिससे बच्चों के गुर्दे (किडनी) फेल हो गए। इस घातक लापरवाही के बाद राज्य सरकार ने श्रीसन फार्मा के सभी उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया।

टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर बम की धमकी से हड़कंप, पुलिस ने ली कोने-कोने की तलाशी

चेन्नई , 09 अक्टूबर [एजेंसी]। चेन्नई के नीलंकरई में टीवीके प्रमुख विजय के आवास पर गुरुवार सुबह बम की धमकी भरा कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को मोबाइल फोन पर संपर्क कर बम होने की सूचना दी और कॉल काट दी। हालांकि सघन जांच के बाद यह अफवाह निकली।

बम की सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और विजय के आवास की गहन तलाशी ली। तलाशी में कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। अधिकारियों ने पुष्टि की कि धमकी भरा कॉल फर्जी था। पुलिस ने कॉल करने वाले की पहचान और स्थान का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मामले की गहन छानबीन जारी है। इससे पहले 28 सितंबर

को विजय को धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। विजय को मिले इस मेल की जांच के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की एक टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। बम स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। स्निफर डॉग्स की मदद से विजय के घर की जांच पड़ताल की गई। सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई कई घंटे चली।

जांच के बाद कोई संदिग्ध या खतरनाक वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने साफ किया था कि भेजा गया धमकी वाला ईमेल केवल एक धोखा था, जिसका मकसद अफरातफरी फैलाना था। यह ईमेल किसने और क्यों भेजी, इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस की साइबर सेल इस मामले की तहकीकात कर रही है ताकि जल्द ही दोषियों को पकड़ा जा सके।

इस बीच गुरुवार को एक बार फिर बम की धमकी का कॉल प्राप्त होना, पुलिस और सुरक्षाबलों के लिए चुनौती है। हालांकि जांच में कॉल फर्जी निकली है, लेकिन पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार जांच की जा रही है कि कॉल करने वाला कौन था। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

मुंबई में ईडी की बड़ी कार्रवाई, दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला के ड्रग नेटवर्क पर छापा

मुंबई , 09 अक्टूबर [एजेंसी]। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला से जुड़े ड्रग सिंडिकेट पर शिकंजा कसा है। मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत ईडी ने बुधवार को मुंबई में 8 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

यह छापेमारी फैसल जावेद शेख और अल्फिया फैसल शेख की ओर से संचालित एक ड्रग तस्करी नेटवर्क से जुड़ी अवैध कमाई का पता लगाने के लिए की गई है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि फैसल शेख, कुख्यात ड्रग तस्कर सलीम डोला के जरिए एमडी जैसे ड्रग्स की खरीद-फरोख्त कर रहा था।

सलीम डोला लंबे समय से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की निगरानी में है। उस पर न सिर्फ मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं, बल्कि उसके खिलाफ

अवैध नेटवर्क को फंडिंग करने के भी गंभीर आरोप हैं।

मुंबई पुलिस के मुताबिक, सलीम डोला दाऊद इब्राहिम के उस विश्वसनीय सर्कल का हिस्सा है, जो भारत में ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क संभालता है। सलीम डोला का नाम ड्रग्स केस में पहले भी आया था, जब मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल ने 100 किलो फेंटानिल ड्रग्स जब्त की थी। अवैध कारोबार में सलीम का बेटा ताहिर और भांजा मुस्तफा भी मदद करते थे। इसी कारण उन्हें आरोपी बनाकर इसी साल जुलाई में गिरफ्तार किया गया।

जून में सलीम डोला के बेटे ताहिर को अबू धाबी से भारत लाया गया। जांच में पता चला कि ताहिर सलीम डोला विदेश से इस गैरकानूनी ड्रग कारोबार को चला रहा था। मुंबई पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने 25 नवंबर 2024 को इंटरपोल के जरिए रेड नोटिस जारी कराया। सीबीआई ने इंटरपोल की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) के साथ मिलकर डोला का यूएई में पता लगाया, जहां उसे 27 जनवरी को गिरफ्तार किया गया। बाद में प्रत्यर्पण संधि के तहत उसे भारत लाया गया।

खंडवा में टायलेट की दीवार तोड़कर भागे 6 बाल अपचारी, सभी की तलाश शुरू, दो जवानों को किया निलंबित

खंडवा, 09 अक्टूबर [एजेंसी]। बाल संप्रेषण गृह से एक बार फिर छह बाल अपचारी फरार हो गए है। यह घटना विभाग की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर उदाहरण बनकर सामने आई है। बीते कुछ महीनों में इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। घटना स्थल पर एडीएम केआर बडोले ने पहुंचकर मौका मुआयना कर घटना के समय तैनात दो जवानों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। दरअसल, खंडवा के बाल सुधार ग्रह से छह बाल अपचारी टायलेट की दीवार तोड़कर भाग गए। इन बाल अपचारियों ने सुधार गृह की बाथरूम की दीवार में छेद किया, बाहर निकले और बाउंड्री वाल कूदकर भाग गए। घटना सुबह गुरुवार पांच और छह बजे के बीच की बताई जा रही है। भागे बाल अपचारियों में पांच खरगोन जिले के और एक बुरहानपुर जिले का है।

ऑपरेशन विश्वास: मर्चुरी के पास बेच रहे थे नशीली दवाईयां, पांच आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुर्ग। ऋऑपरेशन विश्वासऋ के तहत दुर्ग पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाइयां (कैप्सूल) की बिक्री करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. संगठित होकर नशे का व्यापार करने वाले आरोपियों के तार उत्तर प्रदेश से जुड़े हैं. आरोपियों के पास से लगभग 10 हज़ार नग प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल जब्त की गई है.

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आईपीएस विजय अग्रवाल के निर्देशन में प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के बिक्री के खिलाफ छेड़े गए अभियान के तहत दुर्ग कोतवाली पुलिस को इन दवाइयाँ की बिक्री करने वालों को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है. मुखबिर से सूचना मिली कि दुर्ग जिला अस्पताल मर्चुरी के पास तीन व्यक्ति प्रतिबंधित नशीली दवाइयां (कैप्सूल) रखकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश कर रहे

हैं. निशानदेही पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उक्त व्यक्तियों को पकड़कर कड़ाई से पूछताछ की. आरोपियों ने अपना-अपना नाम प्रेम सिंह, रवि कुमार शर्मा, उमेश कुमार कश्यप बताया. उनके पास से 160 पत्ते ट्रामाडोल कैप्सूल के साथ 2 स्मार्ट फोन को जब्त किया. गिरफ्तार आरोपियों के निशानदेही पर दो अन्य आरोपी आसिफ मोहम्मद व शाहिद कुरैशी को जामुल सब्जी बाजार के पास से पकड़कर पूछताछ की गई, जिनके कब्जे से 250 पत्ता नशीली कैप्सूल और 2 स्मार्ट फोन जब्त किया गया. इस प्रकार प्रकरण में कुल पांच आरोपियों से कुल 9840 नग ट्रामाडोल कैप्सूल और 4 स्मार्ट फोन जब्त किया गया. आरोपियों का कृत्य धारा 21 (सी), 27 (क) एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत अपराध घटित करना पाए जाने पर विधिवत् गिरफ्तार कर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया. आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया. इस कार्रवाई में उप निरीक्षक प्रताप सिंह ठाकुर, उप निरीक्षक उदय शंकर झा, सहायक उप निरीक्षक चंद्रशेखर सोनी, आरक्षक गजेन्द्र यादव, हिमांशु जंघेल, खिलेश कुर्रे की सराहनीय भूमिका रही.

रायपुर में 15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक होगी खरीद

रायपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के तहत प्रदेश में धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि सभी पंजीकृत किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। राज्य सरकार ने इस बार भी किसानों को समय पर भुगतान और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछले वर्ष धान खरीदी 14 नवंबर से 31 जनवरी 2025 तक चली थी, जिसमें 25.49 लाख किसानों ने हिस्सा लिया था और रिकॉर्ड 149.25 लाख टन धान खरीदा गया था। इस वर्ष किसान एग्रिस्टैक पोर्टल पर 31 अक्टूबर तक पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकृत किसानों को एक यूनिक फार्मर आईडी मिलेगी, जिससे उनकी खरीदी प्रक्रिया और सरल हो जाएगी। अब तक 21.47 लाख किसान पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। पोर्टल से जुड़ी किसी भी जानकारी या सहायता के लिए किसान टोल फ्री नंबर 1800-233-1030 पर संपर्क कर सकते हैं।

नारायणपुर में 16 माओवादियों ने छोड़ा आतंक का साथ, 70 लाख का था इनाम

नारायणपुर, 09 अक्टूबर [एजेंसी]। अबूझमाड़ में 16 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें सात महिला माओवादी शामिल हैं। इन पर कुल 70 लाख रुपये तक का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में पीएलजीए मिलिट्री कंपनी नंबर-1 के डिप्टी कमांडर, टेक्निकल टीम (डीवीसीएम), माड़ डिवीजन स्टाफ टीम के सदस्य, जनताना सरकार और मिलिशिया कैडर के माओवादी शामिल हैं।

सभी आत्मसमर्पित माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुरिया के समक्ष हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने की शपथ ली। शासन की नक्सल उन्मूलन नीति के तहत सभी को 50-50

हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया गया और उन्हें पुनर्वास योजनाओं का लाभ देने की घोषणा की गई।

पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2025 में अब तक 192 माओवादी कैडर हथियार छोड़ चुके हैं। सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई और अंदरूनी इलाकों में नए पुलिस कैंपों की स्थापना से नक्सलियों का प्रभाव तेजी से घट रहा है। उन्होंने कहा, अब माओवादी संगठन के पास आत्मसमर्पण के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हिंसा और झूठी विचारधारा छोड़कर शांति की राह अपनाना ही उनके लिए सही कदम है।

एसपी रोबिनसन गुरिया ने कहा कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य अबूझमाड़ के मूल निवासियों को नक्सलवाद के दुष्प्रभाव से मुक्त कराना है। उन्होंने अपील की, सभी माओवादी भाई-बहन हथियार छोड़कर शासन की आत्मसमर्पण नीति को अपनाएं और सामान्य जीवन व्यतीत करें। अब समय आ गया है कि अबूझमाड़ अपने असली मालिक स्थानीय आदिवासियों को वापस मिले। इस आत्मसमर्पण कार्यक्रम के दौरान आइटीबीपी, बीएसएफ और प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। आत्मसमर्पण करने वालों में पीएलजीए डिप्टी कमांडर पोदिया मरकाम, सदस्य मनोज दुग्गा, सुमित्रा कुर्साम, मड्डा कुंजाम, रवि वड्डे, कारे कोर्राम और अन्य कैडरों पर आठ लाख रुपये तक का इनाम घोषित था। इस सामूहिक आत्मसमर्पण को बस्तर और अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सल संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

कोरबा की सड़क यात्रा गांवों को जोड़ा विकास से, सड़कों ने लिखी प्रगति की नई गाथा

41 सड़कों से लेकर 1,729 किलोमीटर तक हर गांव तक पहुंची पक्की डगर, 136 गौरव पथ, 50.10 किमी हर गांव में गौरव और सुविधा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ राज्य अपने स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रजत महोत्सव के ऐतिहासिक अवसर पर विकास की सुनहरी कहानी लिख रहा है। बीते ढाई दशकों में राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा और ग्रामीण आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इन्हीं में से एक प्रमुख क्षेत्र है सड़क संपर्क और परिवहन सुविधा का विस्तार, जिसने गांवों को शहरों से, किसानों को बाजारों से और नागरिकों को अवसरों से जोड़ा है। कोरबा जिला, जो राज्य की औद्योगिक राजधानी के रूप में जाना जाता है। आज सड़क विकास के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यहाँ की पहाड़ी और वनांचल भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद, राज्य शासन ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत दूरस्थ ग्रामों तक पक्की सड़कों का जाल बिछाया है। रजत महोत्सव के अवसर पर जब राज्य के 25 वर्षों की यात्रा पर नजर डाली जाती है, तो कोरबा जिले का यह सड़क विकास अभियान गांव-गांव तक पहुँची प्रगति का प्रतीक बनकर उभरता है।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना: गांवों तक पहुंची पक्की राह—मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना का उद्देश्य राज्य के उन ग्रामीण अंचलों तक सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है जहाँ अब तक पक्की सड़कें नहीं पहुँची थीं। कोरबा जिले में इस योजना के तहत वर्ष 2025 तक कुल 41 सड़कों का निर्माण किया गया है। इन सड़कों की कुल लंबाई 108.67 किलोमीटर है। इन सड़कों ने न केवल ग्रामीणों को अपने निकटतम बाजार, अस्पताल और शैक्षणिक संस्थानों से जोड़ा है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में भी नई गति दी है। पहले जहाँ ग्रामीणों को बारिश के मौसम में आवाजाही में कठिनाई होती थी, वहीं अब पक्की सड़कों के निर्माण से आवागमन सुगम हुआ है। सड़कें केवल मिट्टी और डामर का मार्ग नहीं, बल्कि विकास का माध्यम हैं और कोरबा जिले के ग्रामीण अंचलों में यह परिवर्तन प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। इन मार्गों से किसानों को अपने कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में आसानी हुई है। छात्र-छात्राओं को स्कूल और कॉलेज तक निर्बाध पहुँच मिली है, वहीं बीमार व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में सुविधा बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना: गांवों की पहचान बनी गौरव पथ—मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना का लक्ष्य गांवों के भीतर प्रमुख मार्गों का सौंदर्यीकरण और पक्की सड़कों से ग्राम के गौरव को सुदृढ़ करना है। इस योजना ने ग्रामीण संरचना को एक नई पहचान दी है। कोरबा जिले में इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 तक कुल 136 गौरव पथों का निर्माण संपन्न हुआ है। इन गौरव पथों की कुल लंबाई 50.10 किलोमीटर है। इन गौरव पथों ने गांवों की मुख्य गलियों को पक्की सड़कों से जोड़कर स्वच्छता, सुगमता और सौंदर्य को एक साथ जोड़ा है। जहाँ पहले बरसात के मौसम में कीचड़ से भर जाने वाली गलियां थीं, वहाँ अब मजबूत कांक्रीट सड़कों पर बच्चे खेलते हैं, और त्योहारों पर गांव की चौपालों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। यह गौरव पथ वास्तव में ग्रामीण गौरव के प्रतीक बन गए हैं जिन पर ग्रामवासी गर्व से कहते हैं, अब हमारा गांव भी शहर जैसा दिखता है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना: दूरस्थ गांवों तक पहुंची नई रोशनी—प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने देशभर में ग्रामीण संपर्क का नया युग प्रारंभ किया, और छत्तीसगढ़ में इस योजना का प्रभाव सबसे अधिक दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में दिखाई देता है। कोरबा जिला, जो पर्वतीय और वनाच्छादित क्षेत्र है, वहाँ इस योजना के माध्यम से ऐसे कई गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा गया है, जो पहले मानचित्र पर केवल नाम मात्र के रूप में दर्ज थे। कोरबा जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अब तक 397 नई सड़कों का निर्माण किया गया है। इन सड़कों की कुल लंबाई 1,729.00 किलोमीटर है। इतना ही नहीं, आवागमन को और सुदृढ़ करने के लिए 13 नए पुलों (वृहद पुलों) का भी निर्माण किया गया है, जिससे वर्षा ऋतु के दौरान आने-जाने में होने वाली कठिनाइयाँ अब अतीत की बात बन चुकी हैं। इन पुलों ने न केवल सड़कों को जोड़ा है, बल्कि दिलों को भी करीब लाया है। अब ग्रामीणों को किसी नदी या नाले के कारण दिनभर का रास्ता तय नहीं करना पड़ता। यह सुविधा हर नागरिक के जीवन में सुगमता और सुरक्षा लेकर आई है।

विकास की राह पर कोरबा :अब हर गांव विकास से जुड़ा—राज्य शासन ने सदैव इस बात पर बल दिया है कि विकास तभी सार्थक है जब वह अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं का लाभ हर ग्राम पंचायत तक पहुंचे। सड़क निर्माण का यह अभियान न केवल भौतिक विकास का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक उन्नति का आधार भी है। जहाँ पहले ग्रामीण अर्थव्यवस्था केवल कृषि और वनोपज तक सीमित थी, वहीं अब सड़क कनेक्टिविटी ने ग्रामीण बाजारों और उद्यमिता को भी गति दी है। महिलाओं के स्व-सहायता समूह अब अपने उत्पादों को शहरों तक पहुँचाने में सक्षम हैं। स्कूली छात्राएं अब सुरक्षित रूप से स्कूल जा पा रही हैं। यह सब सड़क विकास की सीधी देन है।

सुगम संपर्क से बढ़ा व्यापार, पर्यटन और रोज़गार—सड़कों के निर्माण से जिले के पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हुई है। हसदेव नदी के तट, पहाड़ी झरने, और ग्रामीण पर्यटन स्थलों तक अब पर्यटक सरलता से पहुंच पा रहे हैं। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। वहीं व्यापारियों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों को भी आर्थिक लाभ हुआ है। कोरबा के औद्योगिक क्षेत्रों बालकोनगर, दीपका, गेवरा और कटघोरा तक बेहतर सड़क संपर्क ने औद्योगिक गतिविधियों को नई ऊर्जा दी है। कोरबा जिला प्रशासन ने सड़क निर्माण में पर्यावरण संतुलन को भी प्राथमिकता दी है। जहाँ संभव हुआ है, वहाँ वृक्षारोपण और जलनिकासी व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है। सड़क किनारों पर पौधरोपण अभियान चलाकर हरित कोरबा का सपना साकार किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य अपने रजत महोत्सव वर्ष में केवल अतीत की उपलब्धियों का जश्न नहीं मना रहा, बल्कि भविष्य के सुनहरे लक्ष्य भी तय कर रहा है। आगामी वर्षों में भी मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, गौरव पथ योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नई परियोजनाएं स्वीकृत की जा रही हैं। राज्य शासन का उद्देश्य है कि जिले के प्रत्येक ग्राम को मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ा जाए ताकि कोई भी बस्ती विकास की मुख्यधारा से अछूती न रहे।

जिले की सड़क विकास यात्रा इस बात का उदाहरण है कि जब शासन का उद्देश्य स्पष्ट और जनता का सहयोग सशक्त हो, तो कोई भी भौगोलिक चुनौती बाधा नहीं बन सकती। आज जब छत्तीसगढ़ अपनी रजत जयंती मना रहा है, तब कोरबा का हर नागरिक गर्व से कह सकता है हमारी सड़कों ने बदल दी हमारी दुनिया।

यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उस जमीनी बदलाव की गवाही है, जो सड़कों के रूप में हर घर, हर गांव और हर नागरिक तक पहुँची है। यह विकास की वह डगर है, जो आने वाले वर्षों में न केवल कोरबा बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को स्वावलंबन, सुगमता और समृद्धि की दिशा में अग्रसर करेगी। कोरबा की यह सड़क विकास यात्रा हमें यह भी दिखाती है कि कैसे एक क्षेत्र में समर्पित योजना, संसाधनों का उचित उपयोग और सामूहिक प्रयास समाज को बदल सकते हैं। 25 वर्षों की इस अवधि में हर गाँव और नगर में हुए परिवर्तनों ने यह स्पष्ट किया है कि सड़कें केवल भौतिक संरचना नहीं हैं, बल्कि वे जीवन की गति, सामाजिक समृद्धि और सांस्कृतिक धरोहर की संरक्षक भी हैं।

श्री सप्तदेव मंदिर में गुरू गोविंद सिंह की 350वीं शहीदी शताब्दी दिवस की रैली का स्वागत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गुरू गोविंद सिंह की 350वीं शहीदी शताब्दी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के द्वारा छत्तीसगढ़ में कीर्तन एवं शहीदी यात्रा निकाली गई, जो कोरबा में श्री सप्तदेव मंदिर पहुँची। जहां पर श्री सप्तदेव मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी अशोक मोदी ने कीर्तन एवं शहीदी यात्रा का बरसात में भीगते हुए स्वागत किया एवं पूजा अर्चना की। श्री मोदी जी ने बताया कि गुरू गोविंद सिंह ने देश के लिए अपने पूरे परिवार का बलिदान दिया। उनके इस बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता एवं उनका बलिदान आज भी हम सब के लिए प्रेरणादायी है। हम सब के लिए यह क्षण गौरान्वित करने वाला है। जब उनकी संकीर्तन एवं शहीदी यात्रा कोरबा पहुँची। नगरवासियों ने उनके दर्शन एवं पूजा अर्चना की। ऐसे महान युगपुरूष की 350 वीं जयंती के अवसर पर निकाली गई इस यात्रा का कोरबा में जिस प्रकार स्वागत किया गया निश्चित ही प्रशंसनीय है। इस अवसर पर शीतल कौर, ज्योति यादव, अन्नू सोनवानी, हरीश राजवाडे, आशीष सिंह की मौजूदगी रही।

राशिफल

मेष राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें।

कन्या राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है।

धनु राशि: आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा।

मकर राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई विश पूरी होगी जिससे खुशी मिलेगी।

कुम्भ राशि: आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा। प्रकृति के बीच समय बिताने से फ्रेशनेस महसूस होगी। आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक होगी।

मीन राशि: आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान करेंगे। छात्रों के लिए सफलता का दिन साबित होगा, बस थोड़ी और मेहनत करें।

शिवनगर रूमगरा वार्ड का भ्रमण कर आयुक्त आमजन की समस्याओं से हुए रूबरू

सड़क, नाली, स्ट्रीट लाईट व साफ-सफाई कार्यों से जुड़ी समस्याओं पर फोकस, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय मंगलवार को नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 47 शिवनगर रूमगरा वार्ड की विभिन्न बस्तियों व मोहल्लों का भ्रमण कर वहॉं के समस्याओं से रूबरू हुए। उन्होने सड़क, नाली, स्ट्रीट लाईट व साफ-सफाई जैसी जरूरी व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याओं पर विशेष फोकस करते हुए समस्याओं का त्वरित निराकरण किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस मौके पर वार्ड पार्षद श्रीमती सीमा कंवर, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, जोन कमिश्नर एन.के.नाथ, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, एम.एल.बरेठ, सतानंद द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अपने नियमित प्रातः भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय मंगलवार को निगम के वार्ड क्र. 47 शिव नगर रूमगरा पहुंचे। यहॉं उल्लेखनीय है कि आयुक्त श्री पाण्डेय अधिकारियों की टीम के साथ नियमित रूप से शहर के वार्ड व बस्तियों का प्रातः भ्रमण कर वहॉं की समस्याओं का जायजा लेते हैं, उनका निराकरण कराते हैं तथा निगम द्वारा प्रदत्त विभिन्न मूलभूत सुविधाओं व सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की बेहतरी हेतु आवश्यक कदम उठाते हैं। इसी कड़ी में आयुक्त श्री पाण्डेय ने वार्ड क्र. 47 की विभिन्न बस्तियों व मोहल्लों में पैदल डोर-टू-डोर भ्रमण करते हुए वहॉं के रहवासियों से रूबरू हुए, समस्याओं को जाना एवं निराकरण हेतु त्वरित रूप से आवश्यक कदम उठाने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर आयुक्त श्री पाण्डेय ने वहॉं पर स्थित मुक्तिधाम का निरीक्षण किया तथा मुक्तिधाम में पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए, इसी प्रकार उन्होने आवश्यकता को देखते हुए वार्ड पार्षद के घर के समीप कलवर्ट व नाली निर्माण, शिव नगर विद्यालय में पेयजल की व्यवस्था हेतु नल स्थापित किए जाने को कहा। वार्ड की बिरसामुंड़ा बस्ती में सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है, उन्होने निर्माण कार्य में तेजी लाने एवं 23 अक्टूबर तक उक्त कार्य को पूरा करने के निर्देश भी अधिकारियो को दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने वार्ड पार्षद व बस्ती के नागरिकों की मांग पर वार्ड की आवश्यकता के अनुसार स्ट्रीट लाईट लगाए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही किए जाने अधिकारियें को निर्देशित किया।

खुली नालियों को स्लेब से कवर करें - भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने बस्ती में स्थित नालियों का अवलोकन किया, नालियॉं खुली होने से उनमें प्लास्टिक, पन्नी व अन्य कचरा डाल दिया जाता है, जिससे नालियों के जाम होने की स्थिति पैदा होती है, वहीं वहॉं के रहवासियों को नालियॉं खुली रहने से असुविधा भी होती है। आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खुली नालियों के ऊपर स्लेब की ढलाई कर नालियों को कवर करें, ताकि नालियों में कचरा डालने की गुंजाईश न रहे व उनके जाम होने की स्थिति से बचा जा सके।

बस्तीवासियों से ली सफाई कार्यो की जानकारी - बस्ती में डोर-टू-डोर भ्रमण कर आयुक्त श्री पाण्डेय ने वहॉं के रहवासियों से निगम के साफ-सफाई कार्यो की जानकारी भी ली, उन्होने बस्तीवासियों से पूछा कि उनके घरों से नियमित रूप से अपशिष्ट का संग्रहण होता है या नहीं, कचरा संग्रहण हेतु नियमित रूप से स्वच्छता दीदियॉं उनके घरों में पहुंच रही है या नहीं, आयुक्त श्री पाण्डेय ने बस्ती के लोगों से आग्रह किया कि वे सूखा व गीला कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में संग्रहित करें तथा दोनों प्रकार के कचरे को पृथक-पृथक रूप से ही स्वच्छता दीदियों को दें। उन्होने अपील करते हुए कहा कि घरों से निकले हुए कचरे को नाली व सड़क पर न डालें, इससे सफाई कार्य प्रभावित होते हैं।

अमृत संवाद - विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत जनभागीदारी का नया अध्याय

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश की विशेष उपस्थिति में बिलासपुर स्टेशन में अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अमृत काल की भावना एवं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रतिपादित पंच प्रण के अनुरूप, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में विशेष अभियान 5.0 के तहत अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को बिलासपुर स्टेशन में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश की विशेष उपस्थिति में अमृत संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों ने स्टेशन पुनर्विकास कार्य, यात्री सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता एवं स्टेशन सौंदर्यीकरण जैसे विषयों पर रेल अधिकारियों के साथ सार्थक संवाद किया। उपस्थित नागरिकों एवं यात्रियों ने रेलवे द्वारा स्टेशनों पर किए जा रहे विकास एवं पुनर्विकास कार्यों की सराहना करते हुए अनेक रचनात्मक सुझाव भी प्रस्तुत किए। इन सुझावों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए महाप्रबंधक महोदय द्वारा प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि अमृत संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य रेल प्रशासन और नागरिकों के बीच एक सशक्त एवं सीधा संवाद स्थापित करना है। 'पंच प्रण' की भावना को साकार करते हुए, भारतीय रेल को अधिक आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित, यात्री-अनुकूल एवं जन-केंद्रित बनाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यात्रियों के सुझाव रेलवे की प्रगति के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं और इन सुझावों को नीतिगत रूप से लागू करने के लिए गंभीरता से विचार किया जाएगा। महाप्रबंधक ने यह भी बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 50 स्टेशनों का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया जा रहा है, जिनमें 3 स्टेशनों बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग का मेजर री-डेवलोपमेंट शामिल है। इन स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर, आधुनिक प्रतीक्षालय, उच्चस्तरीय प्लेटफॉर्म, कोच गाइडेंस सिस्टम, साइनेजेस, दिव्यांगजनों हेतु सुगम सुविधाएँ, सड़कों का उन्नयन एवं प्लेटफॉर्म शेल्टर जैसी उच्चस्तरीय सुविधाएँ यात्रियों के लिए विकसित की जा रही हैं, जिससे यात्रा अनुभव और अधिक आरामदायक एवं सुगम बनेगा। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक राहुल अग्रवाल, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक प्रवीण पाण्डेय, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) आलोक तिवारी, अन्य वरिष्ठ विभागाध्यक्ष, मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण, रेलवे कर्मचारी एवं यात्रीगण उपस्थित रहे।

कर्रानवापारा स्कूल में मनाया वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वन परिक्षेत्र पाली के ग्राम पंचायत कर्रानवापारा हाई स्कूल में वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह मनाया गया। इस दौरान वन्यजीवों व पर्यावरण से संबंधित रैली, रंगोली, निबंध लेखन, नृत्य, गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। अतिथियों ने स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर पाली तानाखार विधायक कुलदीप मरकाम, उत्तम सिंह, दिगेश्वर सिंह,मनभरण सिंह, नारायण पोर्ते , परमेश्वर मरकाम ,संतोष पोर्ते , कांति देवी तंवर, संजय लकड़ा,पार्थ शर्मा, विभूति राज, निशा गर्ग, वन परिक्षेत्र पाली के अधिकारी कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित थे।

कार्यालय , नगर पालिक निगम ,कोरबा (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय –साकेत भवन, आई.टी.आई.चौक, कोरबा (छ.ग.)
कोरबा जोन

फा.क्र./258 एवं 259/ निर्माण (कोरबा जोन)/2025/ कोरबा, दिनांक 06.10.2025

निविदा आमंत्रण की सूचना

लोक निर्माण विभाग से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर मुहरबंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित की जाती है -

1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि - 28.10.2025 सायंकाल 3:00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि - 28.10.2025 सायंकाल 4:30 बजे

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि रू में
1	वार्ड क्र. 01 अंतर्गत तुली घर से किशोर घर तक सी.सी.रोड, नाली का मरम्मत एवं प्रीकास्ट स्लैब बिछाने का कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद)	3,60,000/-	4,000/-
2	वार्ड क्र. 01 अंतर्गत भास्कर घर से लोदर घर तक सी.सी.रोड, नाली का मरम्मत एवं प्रीकास्ट स्लैब लगाने का कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद)	3,21,000/-	4,000/-

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website : www. korbamunicipal.in एवं www. uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

हमास को पाकिस्तान का खुला समर्थन वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा, रिपोर्ट में खुलासा

इस्लामाबाद ,09 अक्टूबर । ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकियों को शरण देने वाला पाकिस्तान एक बार फिर वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बनता जा रहा है। अब वह आतंकवादी संगठन हमास को शरण और सहायता देकर, खुद को आतंकवाद विरोधी सहयोगी के रूप में पेश करते हुए दोहरा खेल खेल रहा है। एक विस्तृत रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है।

बांग्लादेश के प्रमुख मीडिया संस्थान 'ब्लिट्ज' की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लंबे समय से दोहरे चरित्र की नीति में माहिर रहा है, एक ओर आतंकवाद के खिलाफ साझेदार होने का दिखावा करता है, वहीं दूसरी ओर गुप्त रूप से जिहादी समूहों को अपने भू-राजनीतिक उद्देश्यों के लिए पोषित करता है। यह खतरनाक रणनीति अब और घातक चरण में प्रवेश कर रही है, पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) हमास के आतंकियों को गुप्त रूप से प्रशिक्षण दे रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां पश्चिमी देश 7 अक्टूबर 2023 के नरसंहार के बाद हमास को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं पाकिस्तान गाजा-स्थित इस आतंकी संगठन को गुप्त रूप से शरण, संसाधन और सैन्य विशेषज्ञता उपलब्ध करा रहा है। आईएसआई, हमास और पाकिस्तान के राजनीतिक-सैन्य नेतृत्व के बीच यह गठजोड़ न केवल इजरायल और भारत के लिए खतरा है, बल्कि अमेरिका के आतंकवाद-रोधी प्रयासों और वैश्विक सुरक्षा को भी कमजोर करता है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की व्हाइट हाउस में मेजबानी के बावजूद, इस्लामाबाद अपने पुराने दोहरे मानदंडों पर कायम है, जो अब खुली धोखाधड़ी के बराबर हैं। विश्वसनीय खुफिया सूत्रों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया कि हमास के प्रतिनिधि पाकिस्तान की धरती पर स्वतंत्र रूप से सक्रिय हैं, सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं और स्थानीय जिहादी संगठनों से गठजोड़ कर रहे हैं। उन्हें आईएसआई और पाकिस्तानी सेना की एक विशेष इकाई द्वारा कम से कम दो गुप्त शिविरों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिनमें से एक पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित है। इन कदमों से पश्चिमी देशों की हमास को अलग-थलग करने की कोशिशों को गहरा झटका लगा है और यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या अमेरिका को पाकिस्तान को प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में बनाए रखना चाहिए।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका, अमेरिकी अदालत ने पोर्टलैंड में 200 नेशनल गार्ड की तैनाती पर लगाई रोक

वॉशिंगटन ,09 अक्टूबर । अमेरिकी संघीय न्यायालय ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर 18 अक्टूबर तक अस्थायी रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि हाल के विरोध प्रदर्शनों को 'विद्रोह' नहीं कहा जा सकता और ये प्रदर्शन कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा नहीं हैं।

पोर्टलैंड की जिला जज करिन इमरगुट ने यह आदेश जारी करते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया जिससे यह साबित हो सके कि पोर्टलैंड में हालात इतने बिगड़े हों कि नेशनल गार्ड की तैनाती जरूरी हो। उन्होंने यह भी माना कि संघीय सरकार की यह कार्रवाई राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है।

यह फैसला ट्रंप के लिए करारा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वे डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले उन शहरों में भी सेना भेजना चाहते हैं जिन्हें वे अराजक बताते हैं। दिलचस्प बात यह है कि जज इमरगुट को ट्रंप ने ही अपने पहले कार्यकाल में नियुक्त किया था। ओरेगन के अटॉर्नी जनरल कार्यालय के वकीलों ने कोर्ट में दलील दी कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन छोटे और शांतिपूर्ण रहे हैं। उनके अनुसार, 19 जून तक सिर्फ 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया था और पिछले तीन महीनों में कोई नई गिरफ्तारी नहीं हुई।

व्हाइट हाउस करेगा अपील

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने प्रतिक्रिया में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने हिंसक दंगों और संघीय संपत्तियों पर हमलों से निपटने के लिए अपने वैध अधिकारों का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि उच्च न्यायालय इस फैसले को पलट देगा।ट्रंप पहले ही लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन डी.सी. में नेशनल गार्ड भेज चुके हैं और अब वे अन्य शहरों में भी इसी तरह की तैनाती की तैयारी में हैं। हालांकि, इलिनॉय के गवर्नर जे.बी. प्रिट्जकर ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ट्रंप उनकी आपत्तियों के बावजूद शिकागो में 300 सैनिक भेजने की योजना बना रहे हैं।

अमेरिका में फिर तेलंगाना के छात्र की हत्या, 15 दिन में दूसरी वारदात से सनसनी; डलास में लुटेरों ने मारी गोली

वाशिंगटन ,09 अक्टूबर । अमेरिका में उच्च शिक्षा का सपना लेकर गए एक और भारतीय छात्र की निर्मम हत्या कर दी गई है। पिछले 15 दिनों में यह दूसरी बार है जब तेलंगाना के किसी युवक को अमेरिका में अपनी जान गंवानी पड़ी है, जिससे भारतीय समुदाय में सनसनी और असुरक्षा का माहौल है।

ताजा घटना में, हैदराबाद के एलबी नगर निवासी 25 वर्षीय पोले चंद्रशेखर की शुक्रवार सुबह डलास शहर में लुटेरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। चंद्रशेखर ने हैदराबाद से बैचलर इन डेंटल सर्जरी (ब्क्चस्) की पढ़ाई पूरी की थी और आगे की पढ़ाई के लिए हाल ही में अमेरिका गए थे।

जानकारी के मुताबिक, चंद्रशेखर अपनी पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए एक गैस स्टेशन पर पार्ट-टाइम नौकरी कर रहे थे। शुक्रवार सुबह कुछ अज्ञात लुटेरे स्टेशन में घुसे और लूटपाट के इरादे से गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले में चंद्रशेखर को सीने में दो गोलियां लगीं और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। डलास पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और जांच जारी है।

इस खबर के बाद हैदराबाद में चंद्रशेखर के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे बेटे का शव जल्द से जल्द भारत लाने की मांग कर रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर घटना पर दुख जताया और परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बीआरएस पार्टी के नेता हरीश राव ने भी घर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दी।

इस घटना से ठीक 15 दिन पहले भी अमेरिका के कैलिफोर्निया में तेलंगाना के ही एक अन्य युवक, मोहम्मद निजामुद्दीन की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। निजामुद्दीन 2016 में पढ़ाई के लिए अमेरिका गए थे। लगातार हो रही इन घटनाओं ने अमेरिका में भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बशर-अल-असद के अपदस्थ होने के बाद सीरिया में पहली बार संसदीय चुनाव, नई जनसभा के गठन की शुरुआत की तैयारी

वाशिंगटन ,09 अक्टूबर । दमिश्क सीरिया में बशर अल-असद के अपदस्थ होने के बाद रविवार को पहली बार संसदीय चुनाव कराए गए। अधिकांश प्रांतों में मतदान शांतिपूर्ण रहा, जबकि कुछ कुर्द-नियंत्रित क्षेत्रों में चुनाव बाद में होंगे। यह प्रक्रिया नई सरकार की स्थापना की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

सीरिया में निर्वाचक मंडल के सदस्यों ने रविवार सुबह देश के शासक बशर अल-असद को अपदस्थ किए जाने के बाद पहले सीरियाई संसदीय चुनावों के लिए मतदान किया। सरकारी मीडिया ने बताया कि यह मतदान प्रक्रिया असद शासन के पतन के बाद पहली सीरियाई जनसभा के गठन का प्रतीक होगी। सना समाचार एजेंसी ने बताया कि संसदीय चुनावों के लिए उच्च समिति की तरफ से निर्धारित अधिकांश प्रांतों में तय निर्वाचन जिला केंद्रों पर मतदान हुआ।

बता दें कि समिति के 11 सदस्यों का चुनाव राष्ट्रपति ने जून में किया था। समाचार एजेंसी ने कहा कि रक्का और हसाका प्रांतों (मदान, रास अल-ऐन और ताल अब्याद) के कुर्द नियंत्रित कुछ

क्षेत्रों में मतदान के लिए बाद की तारीख निर्धारित की जाएगी। इन प्रांतों के शेष जिलों के साथ-साथ स्वेदा प्रांत के सभी जिलों में सीटें तब तक रिक्त रहेंगी जब तक परिस्थितियां अनुकूल न हों।

सुरक्षा कारणों से कई इलाकों में चुनाव स्थगित

सीरिया की कार्यवाहक सरकार पूरे देश पर नियंत्रण नहीं रखती। अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने सुरक्षा कारणों से स्वेदा के ड्रूज क्षेत्र के कुछ हिस्सों और पूर्वी सीरिया के कुर्द इलाकों में चुनाव स्थगित कर दिए हैं। 13 साल के गृहयुद्ध के बाद पिछले दिसंबर में अहमद अल-शरा की सेनाओं ने असद को सत्ता से बेदखल कर दिया था। मतदान समाप्त होने के बाद, मीडिया की उपस्थिति में सार्वजनिक रूप से मतपेटियां खोली जाएंगी और मतों की गिनती शुरू होगी।

आपत्ति या अपील की समितियों द्वारा होगी समीक्षा

प्रारंभिक परिणाम राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स के माध्यम से तुरंत घोषित किए जाएंगे। सर्वोच्च समिति के प्रवक्ता ने कहा कि प्रारंभिक परिणाम और नाम जारी होने के बाद मतदान या मतगणना प्रक्रियाओं के संबंध में चुनाव समिति के सदस्यों की किसी भी आपत्ति या अपील की समितियों द्वारा समीक्षा की जाएगी।

इसके बाद संसदीय चुनावों की उच्च समिति द्वारा सोमवार या मंगलवार को आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अंतिम परिणाम घोषित किए जाएंगे।

नेपाल में बारिश का कहर:भूस्खलन और बाढ़ से 52 की मौत, यातायात बाधित-उड़ानें रद्द, भारत ने दिया मदद का भरोसा

काठमांडू,09 अक्टूबर नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचाई है। भूस्खलन, बाढ़ और बिजली गिरने से अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग लापता हैं। नेपाल सेना, पुलिस और सशस्त्र बल राहत-बचाव कार्यों में लगे हैं।

नेपाल में दो दिन हुई लगातार बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। नेपाल पुलिस द्वारा जारी ताजा जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर साढ़े 1 बजे तक एकत्र किए गए विवरण के मुताबिक देशभर में 52 लोगों की जान गई है और 20 से 'यादा लोग घायल हुए हैं । सबसे 'यादा जनहानि कोशी प्रदेश में हुई है। केवल इलाम जिले में ही ×7 लोगों की मौत हुई है। वहीं, मौसम में कुछ सुधार होने पर काठमांडू से यातायात आंशिक रूप से बहाल किया गया है, हालांकि रात में वाहनों की आवाजाही पर रोक जारी है। खराब मौसम के चलते कई घरेलू उड़ानें भी रद्द कर दी गईं।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में हुई इस तबाही पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने पड़ोसी देश को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। पीएम मोदी ने एक पोस्ट में कहा कि नेपाल में भारी बारिश से जनहानि और नुकसान बेहद दुखद है। इस कठिन समय में भारत नेपाल सरकार और वहां के लोगों के साथ खड़ा है। एक मित्र पड़ोसी और पहले रिस्पॉन्डर के रूप में भारत हर संभव मदद के लिए तैयार है।

लगातार बारिश से यातायात बाधितलगातार बारिश से राष्ट्रीय राजमार्गों पर भूस्खलन और जलभराव के कारण काठमांडू से आने-जाने वाले वाहनों की आवाजाही पर शनिवार को रोक लगा दी गई थी। रविवार को मौसम में आंशिक सुधार के बाद दिन के समय आपात सेवाओं, सामान ढोने वाले और कुछ यात्री वाहनों को अनुमति दी गई, लेकिन रात में आवागमन पर रोक बरकरार रहेगी। काठमांडू और आसपास के इलाकों में रविवार को बारिश थोड़ी कम हुई। वहीं, त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (ञ्जढ्ढ्र) से काठमांडू, पोखरा, जनकपुर, भरतपुर और भद्रपुर की घरेलू उड़ानें खराब मौसम के कारण रद्द कर दी गईं हैं।

पांच प्रांतों में मानसून सक्रिय

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून इस समय नेपाल के सात में से पांच प्रांतों-कोशी, मधेश, बागमती, गंडकी और लुंबिनी में सक्रिय है। लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और आपदा प्रबंधन दल अलर्ट पर हैं।

तिब्बत में माउंट एवरेस्ट पर भारी बर्फबारी, करीब 1000 पर्वतारोही फंसे, रेस्क्यू अभियान जारी

काठमांडू ,09 अक्टूबर तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में बर्फीले तूफान के कारण 1,000 से अधिक पर्वतारोही फंस गए हैं। शिविरों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए बचाव अभियान चल रहा है। यह क्षेत्र 4,900 मीटर की ऊंचाई पर है। बर्फ हटाने के लिए स्थानीय लोगों के साथ विभिन्न बचाव दलों को लगाया गया है। कुछ लोगों को बचा भी लिया गया है।रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार शाम को भारी बर्फबारी शुरू हुई और तिब्बत में माउंट एवरेस्ट की पूर्वी ढलानों पर यह तेज हो गई है, जो पर्वतारोहियों और पैदल यात्रियों के बीच लोकप्रिय क्षेत्र है। माउंट एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से भी अधिक है। चीन में इसे माउंट कोमोलांगमा के नाम से जाना जाता है।

नेपाल में भी प्राकृतिक आपदा एवरेस्ट के पड़ोसी देश नेपाल में भारी बारिश से भूस्खलन और अचानक बाढ़ आई, जिससे अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

चीन में टाइफून माटमो का असर इस बीच टाइफून माटमो, जो 2025 के प्रशांत क्षेत्र का 21वां नामित तूफान है, रविवार को दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के ज़हानजियांग शहर में तट पर पहुंचा। स्थानीय सरकारों ने 347,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया। माटमो की अधिकतम गति 151 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई। एवरेस्ट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरामाउंट एवरेस्ट, जिसे चीन में कुमोलांग्मा पर्वत कहा जाता है, दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है, जिसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से अधिक है। हर साल कई पर्वतारोही यहां चढ़ाई के लिए आते हैं, लेकिन चरम मौसम और प्राकृतिक आपदाओं के कारण यह क्षेत्र हमेशा जोखिमपूर्ण रहता है।

जापान में रचा गया इतिहास, साने ताकाइची बनेंगी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री

टोक्यो ,09 अक्टूबर । जापान के राजनीतिक इतिहास में शनिवार का दिन एक नए अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (स्ठ्ठक्क) ने पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को अपना नया नेता चुन लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही 64 वर्षीय ताकाइची का जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनना तय हो गया है।प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के 7 सितंबर को इस्तीफा देने के बाद खाली हुए पद के लिए आज स्ठ्ठक्क अध्यक्ष का चुनाव हुआ। इस मुकाबले में कुल पांच उम्मीदवार थे, लेकिन असली टक्कर ताकाइची और कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बीच देखने को मिली। पहले दौर की वोटिंग में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला, जिसके बाद रनऑफ वोटिंग कराई गई। इस निर्णायक दौर में ताकाइची ने पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे शिंजिरो कोइजुमी को हराकर पार्टी की कमान अपने हाथ में ले ली।साने ताकाइची जापान की एक मुखर और कट्टरपंथी (ष्टश्ठ्ठह्यद्गह्म्1ड्डह्लद्ब1द्ग) नेता मानी जाती हैं।

वह जापान के शांतिवादी संविधान में बदलाव करने, ताइवान के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ाने और विवादास्पद यासुकुनी मंदिर में नियमित रूप से जाने की समर्थक रही हैं। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को अगले 10 सालों में दोगुना करने की महत्वाकांक्षी योजना भी पेश की है। ताकाइची का पीएम बनना भारत के लिए भी अहम माना जा रहा है। वह भारत को एक 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनर' मानती हैं और क्वाड (त्तह्वड्डस्त्र) एवं इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर देती रही हैं।अक्टूबर के मध्य में संसद में औपचारिक मतदान के बाद ताकाइची प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगी। पद संभालते ही उन्हें कई बड़ी कूटनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसमें सबसे अहम अक्टूबर के अंत में दक्षिण कोरिया में होने वाले क्क्वष्ट सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होगी, जहां जापान पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव डाला जा सकता है।

अब दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवाएं होंगी खत्म, सरकार ने लगाया बैन

वॉशिंगटन ,09 अक्टूबर । अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की नई ग्रूमिंग नीति ने सिख, मुस्लिम और यहूदी जैसे धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों में गहरी चिंता पैदा कर दी है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा जारी हालिया मेमो के तहत सैन्य दाढ़ी रखने की छूट लगभग समाप्त कर दी गई है। इससे धार्मिक आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवाओं पर संकट मंडरा रहा है।

नई नीति के अनुसार सेना 2010 से पहले के मानकों पर लौट रही है, जिसमें दाढ़ी की छूट को सामान्यत: अनुमत नहीं माना गया था। 30 सितंबर को मरीन कॉर्प्स बेस क्वांटिको में 800 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए हेगसेथ ने दाढ़ी को सुपरफिशियल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति करार दिया। उन्होंने कहा, *हमारे पास नॉर्डिक पगानों की सेना नहीं है।* इसके कुछ ही घंटों बाद पेंटागन ने सभी सैन्य शाखाओं को आदेश जारी किया कि 60 दिनों के भीतर धार्मिक छूट सहित अधिकतर दाढ़ी छूट समाप्त कर दी जाए। केवल विशेष बलों को स्थानीय आबादी में घुलमिलने के उद्देश्य से अस्थायी छूट दी जाएगी।

2017 में सेना ने सिख सैनिकों के लिए दाढ़ी और पगड़ी की स्थायी छूट को औपचारिक मान्यता दी थी। इसी तरह मुस्लिम, ऑर्थोडॉक्स यहूदी और नॉर्स पगान सैनिकों को भी धार्मिक आधार पर छूट प्राप्त थी। जुलाई 2025 में चेहरे के बालों की नीति अपडेट करते समय भी धार्मिक छूट को सुरक्षित रखा गया था। लेकिन अब नई नीति इन प्रगतिशील कदमों को उलटते हुए 1981 के सुप्रीम कोर्ट फैसले *गोल्डमैन बनाम वेनबर्गर* से प्रेरित पुराने सख्त नियमों पर लौट रही है।

सिख कोअलिशन ने इस कदम पर क्रोधित और गहरी चिंता जताई है। संगठन ने कहा कि सिखों की केश परंपरा उनकी पहचान का अभिन्न हिस्सा है और यह नीति वर्षों की समावेशिता की लड़ाई के साथ विश्वासघात है। एक सिख सैनिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर लिखा, *मेरे केश मेरी पहचान हैं। यह नीति समावेशिता की लड़ाई के बाद विश्वासघात जैसा लगती है।*

सिख समुदाय का अमेरिकी सेना से जुड़ाव प्रथम विश्व युद्ध से है। 1917 में भगत सिंह थिंड पहले सिख थे जिन्हें पगड़ी पहनकर सेवा देने की अनुमति मिली थी। 2011 में रब्बी मेनाचेम स्टर्न, 2016 में कैप्टन सिमरतपाल सिंह और 2022 में *सिंह बनाम बर्गर* मामले में अदालतों ने सिखों के धार्मिक अधिकारों को मान्यता दी थी। सिख कोअलिशन का कहना है कि दाढ़ी सैन्य सेवा में बाधा नहीं है, क्योंकि सिख सैनिक गैस मास्क टेस्ट में पहले ही सफल साबित हो चुके हैं।

टेक्सास में गैस स्टेशन पर भारतीय छात्र की हत्या करने वाला गिरफ्तार, वारदात का मकसद तलाशने में जुटी पुलिस

वाशिंगटन ,09 अक्टूबर । ह्यूस्टनअमेरिका में भारतीय छात्र की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। टेक्सास पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है। जिसने शुक्रवार रात ईस्टचेज पार्कवे स्थित एक गैस स्टेशन पर काम कर रहे चंद्रशेखर पोल को गोली मार दी और मौके से फरार हो गया।

अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है।

आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियां

इसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पेरेज ने बताया कि %पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है। आरोपी वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।%

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फोर्ट वर्थ और टैरेंट काउंटी की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान और आगे की जांच रिपोर्ट सरकारी शटडाउन के कारण कुछ देर से जारी की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हुआ है।वारदात से परिवार और समुदाय में शोकभारतीय छात्र की हत्या के मामले में ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वे चंद्रशेखर के परिवार से संपर्क में हैं और उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। वहीं स्थानीय

भारतीय-अमेरिकी समुदाय और विदेशी छात्र इस घटना से बेहद दुखी और भयभीत हैं। उनका कहना है कि हाल के महीनों में भारतीय छात्रों पर बढ़ते हमलों और रहस्यमय मौतों ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चंद्रशेखर पोल के परिवार और मित्रों की मदद के लिए एक %गोफंडमी% अभियान शुरू किया गया है, जिससे उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है।

चंद्रशेखर पोल तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले थे। उन्होंने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई भारत में पूरी की थी और दो साल पहले अमेरिका गए थे ताकि वे डेटा एनालिटिक्स में मास्टर डिग्री कर सकें। वे नॉर्थ टेक्सास यूनिवर्सिटी, डेंटन से छह महीने पहले ही एमएस पूरा कर चुके थे और नौकरी की तलाश में थे। उनके भाई दामोदर पोल ने बताया कि वह आत्मनिर्भर बने रहने के लिए पार्ट-टाइम गैस स्टेशन में काम कर रहे थे।

अमेरिका में बढ़ती घटनाएं, गहराता डर

अमेरिका में इस तरह ये कोई पहली घटना नहीं है। इसी साल जनवरी 2025 में, कनेक्टिकट में तेलंगाना के 26 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं रंगारेड्डी जिले के एक युवक को भी अमेरिका में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया था। सितंबर 2025 में, महबूबनगर जिले के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को कैलिफोर्निया में पुलिस ने गोली मार दी थी, जब उसका अपने रूममेट से झगड़ा हुआ था। इन मामलों के बाद, भारतीय दूतावासों को बार-बार छात्रों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा है। शवों को भारत लाने में कई बार हफ्तों लग जाते हैं, क्योंकि प्रक्रिया में कानूनी और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल होती हैं।

अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा पर सवालइस वारदात के बाद फिर से विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है, खासकर उन छात्रों की, जो अपनी पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट-टाइम काम करते हैं। देर रात या असुरक्षित इलाकों में काम करना कई बार उन्हें खतरे में डाल देता है। भारतीय समुदाय के लोग अब यह मांग कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन ऐसे छात्रों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करें और देर रात काम करने वालों को सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराएं।अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है।आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियांइसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पेरेज ने बताया कि %पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है।

सम्पादकीय...

बच्चों की मौत का मामला

मध्य प्रदेश-राजस्थान में कफ सिरप के कारण बच्चों की मौतों पर सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से दवा फैक्टरियों की जांच में कोई ढिलाई न बरतने को कहा है। साथ ही, देश के हर जिले में औषधि नियंत्रक अधिकारी दवा निर्माण इकाइयों का निरीक्षण करेंगे। यदि ऐसी फैक्टरियां संशोधित शेड्यूल एम अधिनियम के तहत तय मानकों पर खरी नहीं उतरीं, तो उनके लाइसेंस तुरंत रद्द कर दिए जाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 200 से अधिक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे। स्वास्थ्य सचिव ने साफ कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। दवा फैक्टरियों की सख्ती से जांच होनी चाहिए। उन्होंने राज्यों से तत्काल संज्ञान लेने और रिपोर्ट केंद्र को देने के लिए भी कहा है। राज्यों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों से समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में बच्चों में खांसी की दवाओं के अनावश्यक इस्तेमाल के खतरों को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि ज्यादातर मामलों में बच्चों की खांसी और सर्दी-जुकाम अपने आप ठीक हो जाते हैं और इनके लिए दवाओं की जरूरत नहीं होती। उन्होंने डॉक्टरों से अपील की कि वे कॉम्बिनेशन दवाएं और कफ सिरप देने के बजाय अभिभावकों को घरेलू नुस्खे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में संदिग्ध रूप से गुर्दों के काम करना बंद कर देने के कारण 14 बच्चों की मौत होने के बाद पुलिस ने लापरवाही के आरोप में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है और 'जहरीले' 'कफ सिरप' की निर्माता कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मध्य प्रदेश सरकार ने 'कोल्ड्रिफ कफ सिरप' की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि दवा के नमूनों में अत्यधिक जहरीला पदार्थ पाया गया है। जिन बच्चों की मौत हुई है उनमें से दो छिंदवाड़ा शहर से, एक चौरई तहसील से और 11 परासिया उप-संभाग से थे। पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के अनुसार श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स, कांचीपुरम (तमिलनाडु) द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ को परासिया में 11 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। कंपनी और प्रवीण सोनी के खिलाफ परासिया पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सोनी सरकारी चिकित्सक होने के बावजूद एक निजी क्लिनिक चलाते थे और उन्होंने सिरप लेने का परामर्श दिया था। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत के बाद बच्चों छिंदवाड़ा में बुखार से नौ बच्चों की मौत के बाद बच्चों को दी गई दवाइयों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। इनमें से हिमाचल के बद्दी में बनी नेक्सा डीएस कफ सिरप के सैंपल जांच में पास हो गए हैं। जांच में सामने आया कि नेक्सा सिरप पीने से बच्चों की मौत नहीं हुई है। विभाग ने नेक्सा डीएस सीरप के साथ-साथ मध्य प्रदेश को भेजे गए सभी प्रकार के सिरप के उत्पादन पर बीते दिन रोक लगा दी थी। अब सैंपल पास होने के बाद नेक्सा डीएस कफ सिरप के उत्पादन पर लगाई रोक हटा दी है। प्रत्येक राज्य में अपना एक ड्रग कंट्रोलर होता है जो दवा के प्रत्येक बैच की जांच करता है। तभी दवा बाजार में बिकने हेतु जाती है लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि जांच महीने पड़ी रहती है और दवा बाजार में पहुंच जाती है। जांच में देरी के कारण ही ऐसे दर्दनाक हादसे होते हैं। प्रदेशों और केन्द्र की सरकार को जांच में देरी के कारणों को ढूंढकर तत्काल रूप से दूर करना चाहिए जिन परिवारों के मासूम बच्चों की कफ सिरिप लेने से मौत हुई है उन परिवारों के दर्द को शब्दों में बयान करना मुश्किल है। पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद के साथ जो कुछ संभव हो उनको राहत देने के लिए किया जाना चाहिए क्योंकि मासूमों की मौत का कारण तो बीमार व्यवस्था है और इसकी जिम्मवार प्रदेशों की और केन्द्र सरकारें ही हैं।

दिलबर का इंतजार...

सुरेश सेठ

'आजकल क्या प्यार के आदाब की तलाश करनी चाहिए?' उन्होंने पूछा। हमें लगा जैसे किसी ने किसी झंझावात में से किसी फूल के बच निकलने की बात पूछ ली हो। वैसे तो आजकल प्यार या मोहब्बत के आदान की तलाख करना किसी बबूल में से कांटे की जगह फूल को पा लेने जैसा है, या कि किसी बरखुरदार द्वारा अपने बुजुर्ग की सेना का दम भरने जैसा। आजकल तो आप जानते हैं, सब ओर उल्टी गंगा बहने लगी है। मौसम को देख लो, जब गर्मी से आदमी का माथा घूमने लगे, तब घोर बरसात जम कर बरसती है। अब कैसे कह दें, बरखा रानी जरा जम के बरसो, मेरा दिलबर जा न पाये, जरा झूम के बरसो। अजी साहिब आजकल दिलबर की तलाश करते हो। इससे तो अच्छा था उन बीमारियों का इलाज ढूंढ लेते, जो रूप बदल-बदल कर लोगों को शिकार बना रही हैं। पहले बीमारियां बूढ़ों का गला पकड़ती थीं, अब नौजवानों का दामन थामने लगी हैं। कौन कहता है भारत में अशिक्षा का बोलबाला है। इस समय जो चल रहा है, अगर यूं ही चलता रहा, तो देश की साक्षरता दर के रिकार्ड बनेंगे। बिल्कुल उसी तरह जैसे हर वर्ष सत्ता के प्राचीरों से घोषणा कर दी जाती है कि देश की विकास दर में कमी नहीं आएगी। भुखमरी बढ़ी तो कह देंगे, अब हम क्या करें? भूखे नंगों का तो काम ही नौकरी तलाशना है। भई लाख कहा था, नौकरी नहीं मिलती तो पकौड़े तल लो। लीजिये पकौड़े नहीं तलेंगे, और उन चंद धनपतियों से ईर्ष्या करेंगे, जिन्होंने मिट्टी को भी हाथ लगाया तो सोना हो गई। करोड़पति थे जनता की जरूरत की चीजों को गायब करके काले बाजार में ये अरबपति हो गए। आप कहते हैं, इस अंधेरे काल में देश ने तरक्की नहीं की। जरा इनकी अट्टालिकाओं की ऊपर उठती मंजिलों की ओर देखो। यह अपनी हवेली की ऊपरी मंजिल से आवाज लगाएं, तो एक की जगह दस दिलबर चली आए। तब बरखा रानी को बुलाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। आपका यह दिलबर इस हवेली में आ गया तो कभी वापस जाने का नाम नहीं लेगा। क्या आप नहीं जानते कि प्यार मोहब्बत के सर्वाधिकार इनकी महफिलों के नाम सुरक्षित हो गए हैं? आपके लिए बाकी रह गया है रोजी-रोटी का वसीला। आजकल लोग बबूल की छांव में सोने का अभ्यास कर रहे हैं, बरगदों की जगह हवेलियों का पिछवाड़ा उनके लिए हो गया है। लेकिन इतना समझाया, इसके बावजूद तुम्हारी तलाश खत्म नहीं हुई। 'भला, बताओ इस लंबी कतार में खड़े होकर किस दिलबर के प्रकट हो जाने का इंतजार कर रहे हो।' जी नहीं, इंतजार दिलबर का नहीं, रियायती अनाज का हो रहा है। चार दिन से कतार में खड़े हो रहे हैं, न रियायती अनाज बंट रहा है, न ही अनुकम्पाओं की अगली घोषणा हुई है। अब पेट की आंत में अन्न का दाना जाए तो, हम दिलबर से मुकाबला करने जाएं। सुनने वाले हंस दिए। 'मियां रियायती अनाज न हुआ, भुखमरी से सामना करने की ताकत हो गया।' लेकिन सामना भुखमरी से और तमन्ना दिलबर से मुलाकात की! भला यह क्या तुक भिड़ाया है? हमने कह दिया। लेकिन कहने, पूछने से क्या होता है? आजकल तो किसी भी सवाल का जवाब नहीं मिलता।

बिना जीवनी जाने कैसे 'आई लव मुहम्मद'?

शंकर शरण

अधिकांश मुसलमान भी मुहम्मद को पूरा नहीं जानते। ज्जब उन्हें सब के लिए हर विषय में अनुकरणीय बताया तो उन के जीवन की पूरी जानकारी लेना लाजिम हो जाता है। वरना अनुकरण कैसे होगा?ज्विचारशील मुसलमान भी समझते हैं कि ऐसे प्रोफेट को पूरी मानवता के लिए 'अनुकरणीय' बताना बेढब है! इसीलिए मुस्लिम नेता और उलेमा मुहम्मद की चर्चा से ही बचना चाहते हैं। पर 'आई लव मुहम्मद' ने उस की चर्चा अनिवार्य बना दी।

मुहम्मद से मुहब्बत? पहले उन्हें जानें (2)

इस्लाम पूरी तरह गैर-मुस्लिमों के प्रति विरोध-भाव पर केंद्रित है। काफिर-विरोध ही इस्लाम की टेक है। पूरी दुनिया को हर हाल में इस्लामी बनाने के उसूल का मतलब ही है सभी गैर-इस्लामी तत्व मिटाना। सो, 'घोड़ा घास से यारी कैसे करे' वाली बात है। इसीलिए जिस समाज में गैर-मुस्लिम और मुस्लिम दोनों हों, वहाँ शान्ति सदैव अस्थाई रही है।

एक बड़े भारतीय मौलाना ने मुस्लिमों के किसी सवाल पर कहा था कि यदि किसी विषय में समझ न आए कि क्या करना जायज होगा, तो उस पर काफिर जो करते हैं उस का उल्टा करो। आखिर, मुहम्मद ने ही मुसलमानों को कहा था- मूँछें मुड़वा लो और दाढ़ी बढ़ा लो; ताकि मूर्तिपूजकों से अलग दिखो। (बुखारी, 7-72-780)। बस, यही कारण था। कुरान भी आधे से अधिक यही है कि काफिर बुरे, गंदे, और घृणित हैं। उन के लिए एक भी अच्छा शब्द उस में नहीं।

वही मुहम्मद पूरी मानवता के लिए अनुकरणीय, और 'अंतिम' प्रोफेट भी हैं। यह उन का केंद्रीय दावा है (कुरान, 33-40)। उसी से जुड़ी इस्लाम की 'अखीरत' और 'कयामत' की धारणा है। यानी दुनिया का अंत बहुत निकट है, यह कुरान में बार-बार दुहराई गई बात है (कुरान, 15-85, 44-10, 78-40)।

पर वह गलत साबित हुई। कुरान में दर्ज मुहम्मद के उस कथन के बाद दुनिया चौदह सदियों से चल रही है। जब कि मुहम्मद के अनुसार अंत तभी करीब था। वह अपने सामने के लोगों को चेतावनी दे रहे थे। वह आसन्न अंत की बात थी, न कि हजारों साल बाद। वरना तब मौजूद लोगों को वह चेतावनी अनर्गल होती! सो, मुहम्मद की वह बात गलत निकली। अतः जब कयामत नजदीक नहीं थी, तो वह प्रोफेट भी अंतिम नहीं हो सकते। कुरान के ही अनुसार पहले दर्जनों प्रोफेट हुए। तब आगे नहीं होंगे, इस की यही दलील थी कि दुनिया का ही अंत होने वाला है। यदि दुनिया खत्म नहीं होने वाली थी, जो गत चौदह सौ सालों से प्रमाणित है, तो इस्लाम के प्रोफेट भी आखिरी नहीं हो सकते।

यही बाद के इतिहास ने भी दिखाया। प्रोफेट की धारणा न इस्लाम से आरंभ हुई, न इस्लाम को उस का 'अंत' करने का अधिकार था। प्रोफेट का सदैव अर्थ था -ङ्क ईश्वरीय प्रेरणा से बोलने वाला, ईश्वर की चर्चा करने वाला, भविष्य की बातें बताने वाला, लोगों को ज्ञान देने वाला, आदि। सो मुहम्मद के बाद, अपने जीवन काल में ही सैकड़ों गुने अधिक अनुयायियों वाले प्रोफेट, यानी दैवी प्रेरणा वाले लोग अनेक देशों में होते ही रहे। जैसे, रूस में संत बोरिस, ब्लेस्ड मैर्त्योना; भारत में आदि शंकर, गुरु रामानन्द, गुरु नानक, चैतन्य; तिब्बत के दलाई लामा; आदि के लाखों-लाख शिष्य हुए हैं। इतने अनुयायी मुहम्मद को तमाम जीत, लूट का माल बाँटने, जन्नत के प्रलोभन, जहन्नुम की धमकी, जोर-जबर्दस्ती, आदि के बाद भी हासिल नहीं हो सके थे। मुहम्मद की मृत्यु के समय मोटे तौर पर उनके एक लाख अनुयायी थे।

सो, जिन्हें तमाम पश्चिमी भाषाओं में 'प्रोफेट' कहा गया, यहाँ आदिशंकर, रामानन्द, गुरू नानक, चैतन्य, रामकृष्ण परमहंस, आदि वैसे ही महापुरुष थे। यह सब मुहम्मद के बाद हुए। अतः मुहम्मद आखिरी प्रोफेट नहीं थे। उन का यह दावा भी गलत सिद्ध हुआ।

वस्तुत- अधिकांश मुसलमान भी मुहम्मद को पूरा नहीं जानते। विशेषकर, गैर-अरब मुसलमान। मूल अरबी इस्लामी पुस्तकों के अनुवादों में बहुत सी बातें काफी नरम और अर्थांतर की हुई मिलती हैं। यह अरब लेखिका वफा सुल्तान ने अपनी पुस्तक में उदाहरण देकर दिखाया है। ऊपर से, भारतीय-पाकिस्तानी मुस्लिमों को अनेक मनगढ़ंत बातें भी बताई जाती रही हैं। यह भारतीय मौलानाओं ने यहाँ की स्थिति देखते हुए किया, जहाँ महान 'प्रोफेटों' की गौरवशाली परंपरा है। पाकिस्तानी लेखक हैरिस सुल्तान ने बचपन में मुहम्मद के बारे में सुनी ऐसी मधुर कहानियों के उदाहरण अपनी पुस्तक में दिए हैं, जो किसी मूल स्त्रोत में नहीं मिलते। कारण वही है कि मुहम्मद को मानवता के लिए सर्वोत्तम अनुकरणीय मॉडल बताने में उन के जीवन की असंख्य तफसीलें मुसीबत बन जाती हैं। उन की जीवनी की जिन बातों पर मुसलमान सदियों से गर्व करते रहे, अब वह सामान्य नैतिकता से बड़ी गड़बड़ लगती हैं। विशेषकर, जब मुहम्मद के बाद हुए प्रोफेटों से तुलना करें। इसीलिए, मुस्लिम नेता कुरान की बातों की भी चर्चा करने पर नाराज होते हैं। क्योंकि उस से मुहम्मद की वह छवि सामने आने लगती है, जिसे अब वे छिपाना चाहते हैं। परन्तु मुहम्मद का निजी जीवन छोड़ भी दें — यद्यपि जब उन्हें सब के लिए हर विषय में अनुकरणीय बताया तो उन के जीवन की पूरी जानकारी लेना लाजिम हो जाता है। वरना अनुकरण कैसे होगा? — किन्तु वह रहने भी दें, तो सभी इस्लामी किताबें मुहम्मद की बड़ाई में उन के युद्ध, हमले, जीत, लूट के माल, उस के बँटवारे, भोग, धमकी, चेतावनी, आदि की ही अधिक चर्चा करती हैं। सो, यह किसी ज्ञानी के बदले प्रायः किसी योद्धा और शासक की जीवनी रहती है। वह भी किस प्रकार के? ऊपर उद्धृत मुहम्मद की अपनी बताई 'पाँच विशेषताएं' ही दिखाती हैं, कि उन के लिए 'आतंक' और 'लूट का माल' जायज है। (सहीह बुखारी, 1-7-301)

विचारशील मुसलमान भी समझते हैं कि ऐसे प्रोफेट को पूरी मानवता के लिए 'अनुकरणीय' बताना बेढब है! इसीलिए मुस्लिम नेता और उलेमा मुहम्मद की चर्चा से ही बचना चाहते हैं। पर 'आई लव मुहम्मद' ने उस की चर्चा अनिवार्य बना दी। यह अच्छा है। ज्ञान हितकर होता है। विशेषकर मुहम्मद के बारे तो सच्चा ज्ञान सब को होना ही चाहिए।

इसलिए भी उल्लेखनीय है कि भूत-भविष्य, लोक-परलोक तो दूर, मुहम्मद को अपने समय की दुनिया की भी पूरी खबर न थी! कुरान की सारी कथाएं केवल यहूदी बाइबिल की बातों के दुहराव हैं। जो तब अरब में प्रचलित थीं। जबकि मुहम्मद के समय भारत, चीन, आदि में बड़े-बड़े बौद्ध व हिन्दू राज्य थे।

(यह लेखक के अपने विचार है)

ताकि दवा जहर बन फिर से मासूमों की मौत न बने

ललित गर्ग

दो राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौत की घटनाएं देश की दवा नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह केवल एक चिकित्सा त्रुटि या आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता का प्रतीक है जिस पर जनता अपने जीवन की रक्षा के लिए भरोसा करती है। दवा जैसी जीवनदायी वस्तु में भी जब लालच, लापरवाही या भ्रष्टाचार घुसपैठ कर जाते हैं तो वह अमृत भी विष बन जाता है। बच्चों की मासूम जानें जब घटिया या मिलावटी दवा के कारण चली जाती हैं, तो यह केवल परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता एवं विश्वास की मृत्यु होती है। कफ सिरप में पाए गए विषैले तत्व-जैसे डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल, पहले भी कई देशों में सैकड़ों बच्चों की जान ले चुके हैं। फिर भी बार-बार ऐसे हादसे होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की दवा नियामक व्यवस्था में संरचनात्मक खामियां बनी हुई हैं। सवाल है कि पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई।

दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर धडल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफ है कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्त्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमज़ोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता। जब निरीक्षण औपचारिकता बन जाए और रिपोर्टें खरीद-फरोख्त की वस्तु बन जाएं, तब ऐसी त्रासदियां स्वाभाविक हैं। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के नमूने में 48.6 प्रतिशत डाई एथिलीन ग्लाइकॉल मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गई। इन घटनाओं ने न केवल स्वास्थ्य प्रशासन की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है बल्कि भारत की वैश्विक छवि पर भी धब्बा लगाया है। पिछले वर्षों में अफ्रीकी देशों में भी भारतीय सिरप से हुई मौतों के बाद कई देशों ने हमारे फार्मा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया था। अब घरेलू स्तर पर घटित ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि हमने उन हादसों से कोई सबक नहीं लिया। दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादक देश के रूप में भारत को यह मानना होगा कि केवल उत्पादन की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता ही हमारी असली ताकत होनी चाहिए। इस संकट का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि इसका शिकार वे मासूम बच्चे बने जिनकी प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित नहीं हुई थी और जिनकी जीवन रक्षा का उत्तरदायित्व समाज और राज्य पर है। इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी केवल दोषी कंपनियों पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने नियमन और नैतिकता की आंखें मूंद लीं। दवाओं में मिलावट या गलत प्रमाणपत्र देना कोई साधारण अपराध नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ किया गया घोर अपराध है। इस पर कड़े से कड़ा दंड होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी निर्माता या अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68 प्रतिशत एमएसएमई फेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 प्रतिशत कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। प्रश्न है कि यह तथ्य सामने आने के बाद आखिर सरकार क्या सोच कर इन दवाओं को बाजार में विक्रय क्यों जारी रहने दिया? क्यों ऐसे हादसे होने दिये जाते रहे? यह आवश्यक है कि दवा उद्योग में कच्चे माल की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित की जाए, हर बैच की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो और दवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के हों। केंद्र और राज्य सरकारों को ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी चाहिए। हर कंपनी के लाइसेंस नवीनीकरण के समय उसकी पिछली गुणवत्ता रिपोर्ट और परीक्षण परिणामों की समीक्षा की जानी चाहिए। जिन कंपनियों ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाने चाहिए और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि इन मामलों में आपराधिक जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

कठघरे में निगरानी व्यवस्था

कफ सिरप से मौतों की खबरें भी हाल के वर्षों में सुर्खियों में रही हैं। इसी तरह अस्पतालों में अग्निकांड का सिलसिला भी लंबा होता गया है। ऐसी घटनाओं में एक समान पहलू नियामक संस्थाओं की गैर-जिम्मेदारी रहा है।

जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में हुए हृदयविदारक अग्निकांड ने देश में निरीक्षण और निगरानी की कमजोर पड़ती जा रही व्यवस्था को फिर उजागर किया है। यह घटना उस समय हुई है, जब कई राज्यों में कफ सिरप के सेवन से दर्जन भर से अधिक बच्चों की मौत की खबरों से देश हिला हुआ है। ये मौतें भी इसीलिए हुईं, क्योंकि दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का कार्य देश में पर्याप्त चुस्ती नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि जयपुर के जिस अस्पताल में अग्निकांड हुआ, वह सरकारी है; जबकि तमिलनाडु की जिस कंपनी ने कोल्ड्रिफ नाम का कफ सिरप बनाया, वह प्राइवेट सेक्टर की है। मतलब यह कि सेक्टर चाहे जो हो, वहां ऐसे मामलों में भी लगातार लापरवाही बरती जा रही है, जिनका संबंध सीधे इनसान की जान से है।

अगंभीर नजरिये का आलम यह है कि कोल्ड्रिफ पीने से मौतों की खबर आने के तुरंत बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस कफ सिरप में डाइथीलीन ग्लाइकोल मौजूद होने का खंडन कर दिया। लेकिन जब राजस्थान और मध्य प्रदेश (जहां सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं) में बेचे गए सिरप के नमूनों की जांच तमिलनाडु में हुई, तो इस हानिकारक तत्व की मौजूदगी की पुष्टि हुई। यह अंतर क्या बताता है? यही कि अधिकारियों की आरंभिक कोशिश किसी गंभीर मामले को भी रफ़ा-दफ़ा करने की होती है। स्पष्टतः ऐसे नजरिए से मिलावट या गुणवत्ता से अन्य समझौते कर मुनाफा बढ़ाने की होड़ में लगे धंधेबाजों का मनोबल बढ़ता है।

ऐसी घटनाएं इतनी अधिक हो चुकी हैं कि अब इन्हें मानवीय भूल या इक्का-दुक्का चूक बता कर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय कफ सिरप से कई दूसरे देशों में मौतों की खबरें भी गुजरे वर्षों में सुर्खियों में रहीं। इसी तरह अस्पतालों में अग्निकांड का सिलसिला भी लंबा होता गया है। इसके मद्देनजर ऐसी घटनाओं को अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। इन सब में समान पहलू नियामक संस्थाओं की गैर-जिम्मेदारी है। इसे तुरंत दुरुस्त करने की आवश्यकता है। नियमों पर अमल सुनिश्चित कराने का सख्त अभियान तुरंत छेड़ा जाना चाहिए, वरना देश में किसी की जिंदगी सुरक्षित नहीं रह जाएगी।

इस समय तो आतंक भी कूटनीति !

श्रुति व्यास

अजीब समय है। ज़्यादा पुरानी बात नहीं है जब आतंकवाद दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। वॉर ऑन टेरर में हर देश की हिस्सेदारी थी। न्यूयॉर्क से लेकर मुंबई तक हर हमला इस बात को फिर से पक्का करता था कि आतंक बुराई है और दुनिया इसके ख़िलाफ़ एकजुट है। दुश्मन को एक धार्मिक पहचान भी दी गई — उसे कहा गया इस्लामिक आतंकवाद। तब बताया गया था कि यही इस सदी का निर्णायक युद्ध है — वह संघर्ष जो हमारे युग की पहचान बनेगा। लेकिन इक्कीसवीं सदी, जिसकी स्मृति छोटी और थकान लंबी है, अब पूरा चक्र घूम चुकी है। वही लोग जो कभी अंधेरे में छिपे रहते थे — जिन पर इनाम था, जिन्हें सभ्यता का दुश्मन कहा गया था, इन दिनों कूटनीति की मेज़ों पर बैठे हैं। वे सत्ता के गलियारों में चलते हैं, राष्ट्रों के प्रतिनिधि बनकर स्वागत पाते हैं।

यह संकेत है। यह चिंता है। और यह विडंबना भी।

सिर्फ़ पिछले हफ़्ते ही अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र में दिलचस्प नजारा था। सीरिया के स्वयंभू अंतरिम नेता अहमद अल-शरा का। वही अल-शरा जो कभी सीरिया के अल-नुसरा फ्रंट का चेहरा था, नागरिकों पर हमलों के लिए 10 मिलियन डॉलर का इनामी आतंकवादी। आज वही व्यक्ति संगमरमर के गलियारों से गुज़रता हुआ उन्हीं राजनयिकों के साथ तस्वीरें खिंचवा रहा था जिन्होंने कभी उसे आतंकवादी कहा था।

असद को हटाने के बाद अब वह एक सुधारक नेता के रूप में शांति, स्थिरता और पुनर्निर्माण की बातें करता है। भाषा बदल गई है, लेकिन अतीत नहीं। उनका अमेरिका का दौरा 1967 के बाद किसी सीरियाई नेता की संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली उपस्थिति थी।

सबसे विचित्र था न्यूयॉर्क के मिडटाउन मैनहट्टन के एक निजी क्लब का दृश्य — जहाँ कारोबारी, राजनयिक और पत्रकार भरे थे। वहीं अल-शरा जिहादी से राजनेता बनने की अपनी यात्रा का बखान कर रहे थे। और सब सुन रहे थे — गम्भीरता से, शायद आदर के साथ।

उन्होंने एक बिंदु पर अपने अतीत का बचाव भी किया — इस आत्मविश्वास से कि दुनिया हमेशा प्रायश्चित की कहानी सुनना चाहती है-

उन्होंने कहा- जो भी किसी बच्चे को सड़कों पर मरते देखेगा, वह विद्रोह करेगा। .. दबाव इतना था कि लोगों ने अपने पास जो साधन थे, उन्हीं में समाधान खोजे। जो बात कभी निंदा का विषय होती, अब सहानुभूति बटोर रही थी — जैसे आघात की भाषा अब आतंक की भाषा को धो सकती है। डरावना यह नहीं कि उसने कहा, बल्कि यह कि दुनिया ने सुना — आक्रोश में नहीं, बल्कि कौतुक व आकर्षण में। जाहिर है हम ऐसे युग में हैं जहाँ भाषा किसी भी अपराध को वैध बना सकती है — जहाँ कभी आतंकवादी कहे जाने वाले अपने अपराधों को कथा में, और कथा को कूटनीति में बदल देते हैं।

और फिर हैं तालिबान। वही तालिबान जिनसे दो महाशक्तियों ने बीस साल तक युद्ध लड़ा, । वह आज काबुल में सत्ता में हैं और चार साल बाद वही राष्ट्र जो कभी उन्हें मिटाने की क़सम खाते थे, अब उनसे राजनयिक रिश्ते बना रहे हैं।

एक ऐसी सत्ता जो आधी आबादी — महिलाओं — को सार्वजनिक जीवन से मिटा चुकी है, लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा चुकी है, और मध्ययुगीन फ़रमान वापस ला चुकी है — उससे भी अब दुनिया व्यवहारिक संबंध बना रही है।

भारत भी प्रैग्मैटिज़्म की इस परेड में शामिल है। इस महीने अफ़ग़ान विदेश मंत्री आमिर ख़ान मुत्ताक़ी का भारत आना तय है।

भारतीय अधिकारियों ने इसे द्विपक्षीय संबंधों का नया अध्याय कहा है — यानी कूटनीतिक भाषा में अतीत को भुलाने का नया नाम। पूर्व मंत्री एम.जे. अकबर ने इसे भारत की वैश्विक पहचान की पुष्टि बताया और जोड़ा कि यह संकेत है कि दुनिया अब प्रधानमंत्री मोदी की ओर हाथ बढ़ा रही है। पर क्या वास्तव में ऐसा है? या यह उल्टा है — कि भारत, तालिबान को मेज़ पर आमंत्रित करके, उन्हें वैधता दे रहा है और नैतिक रूप से अस्वीकार्य को स्वीकार्य बना रहा है?

निश्चित ही रीयलपॉलिटिक के अपने तर्क हैं। पाकिस्तान के साथ सीमाई तनाव के बाद भारत ने समझा है कि काबुल को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। इज़राइल के युद्ध ने पश्चिमी गठबंधनों को अस्थिर किया, वहीं पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने वॉशिंगटन और रियाद में फिर प्रभाव जमाया। ऐसे में नई दिल्ली ने अफ़ग़ानिस्तान को नैतिक नहीं, रणनीतिक सहयोगी के रूप में देखा — एक भू-राजनीतिक सहूलियत के तौर पर। लेकिन यही तो हमारे समय की असली त्रासदी है। दुनिया अब उग्रवाद को ठुकराती नहीं, उसे मैनेज करती है।

संवाद और समर्थन के बीच की रेखा अब स्थिरता की भाषा में घुल चुकी है। तालिबान को बदलने की ज़रूरत नहीं पड़ी; दुनिया ने ही अपनी दृष्टि बदल ली।

अहमद अल-शरा को अपने अतीत को बदलने की नहीं, दुनिया को अपने सिद्धांत बदलने की ज़रूरत थी।

और यह पहली बार नहीं जो हिंसा को कूटनीति में बदला गया।

1970 के दशक में यासिर अराफ़ात और पीएलओ अपहरणों और हत्याओं के पर्याय थे। लेकिन 1993 तक अराफ़ात व्हाइट हाउस के लॉन पर बिल क्लिंटन और यित्ज़ाक राबिन से हाथ मिला रहे थे — और नोबेल शांति पुरस्कार साझा कर रहे थे।

दुनिया ने आतंकवाद को परास्त नहीं किया, उसने उसका नाम बदलकर राज्यत्व रख दिया।

नेल्सन मंडेला की अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को कभी वाशिंगटन और लंदन दोनों ने आतंकवादी संगठन कहा था।

लेकिन 1994 तक मंडेला राष्ट्रपति बने — और वही पश्चिमी राजधानियाँ जिन्होंने उन्हें कभी निंदा की थी, अब उन्हें नैतिक संत के रूप में माला पहना रही थीं। वह दुनिया के माफ़ करने वाले नायक बने — क्योंकि अब उनका संघर्ष पश्चिम के हितों को चुनौती नहीं देता था। बहिष्कृत को भविष्यवक्ता बना दिया गया — इतिहास के सबसे सुविधाजनक प्रायश्चितों में से एक।

अफ़ग़ान मुजाहिदीन, जिन्हें अमेरिका ने सोवियत संघ के ख़िलाफ़ स्वतंत्रता सेनानी कहा, वही आगे चलकर तालिबान और अल-क़ायदा बने। वॉर ऑन टेरर का मक़सद इस चक्र को तोड़ना था, लेकिन उसने इसे संस्थागत बना दिया।

पाकिस्तान, जो तालिबान को शरण देता रहा, अमेरिका का मेजर नॉन-नाटो एलाय बना।

सऊदी अरब, जहाँ से 9/11 के अधिकतर हमलावर आए, वही रणनीतिक साझेदार बना रहा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

कानपुर में खाकी की दबंगई, छात्र को किदवई नगर चौकी इंचार्ज ने बेरहमी से पीटा

कानपुर, 09 अक्टूबर [एजेंसी]। कानपुर में खाकी की दबंगई सामने आई है। छात्र को चौकी इंचार्ज ने लात मारी और उसे बेरहमी से पीटा। लगातार थप्पड़ मारता रहा। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसने ओवरस्पीड में पकड़े जाने के बाद पिटाई का नियम न होने की बात कह दी। यह बात चौकी इंचार्ज को नागवार गुजरी और वर्दी की रौब में खुद ही बेरहमी से इंसाफ करते दिखे। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि कानपुर में पुलिस की दबंगई का यह कोई पहला मामला नहीं है।किदवई नगर में ओवर स्पीड के आरोप में पकड़े गए छात्र के मारपीट न करने का नियम बताने पर भड़के चौकी प्रभारी ने थप्पड़ों की बौछार करते हुए उसे लातें भी मारी। इतना दुरुस्त कर देने की धमकी देने का वीडियो बनाकर उसके एक साथी ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो भी प्रचलित कर दिया, जिसे संज्ञान में लेकर डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने दारोगा को लाइन हाजिर कर दिया है। नारामऊ, बिठूर निवासी अक्षय प्रताप सिंह रविवार दोपहर बीटेक कर रहे शिवराजपुर निवासी दोस्त अभिषेक दुबे के साथ किदवई नगर में किसी काम से आया था। गौशाला चौराहे पर चेकिंग कर रहे किदवई नगर चौकी इंचार्ज अमित विक्रम त्रिपाठी ने रुकने का इशारा किया, लेकिन अक्षय ने बाइक बढ़ा दी। इसपर पुलिस कर्मियों ने शिवराम पेट्रोल पंप के पास उन्हें दौड़ाकर

पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को पकड़कर चौकी पर ले आए।चौकी प्रभारी ने अक्षय की कालर पकड़कर घसीटने लगे तो उसने विरोध करते हुए कहा कि आप घसीट नहीं सकते। बस उसके इतना कहते ही चौकी प्रभारी आपा खो बैठे और उस पर थप्पड़ों की बौछार कर दी। इसके बाद उसे लात भी जड़ दी, जिससे वह कराहा उठा। इसके बाद अक्षत के सरजी यह ठीक नहीं किया कहते ही चौकी प्रभारी और भड़क गए। मारपीट करते हुए उसे दुरुस्त करने की धमकी भी दे डाली। इस दौरान साथी अभिषेक ने वीडियो बनाकर इंटरनेट पर प्रचलित कर दिया। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि चौकी इंजार्च को लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामले की जांच एसीपी बाबूपुरवा को सौंपी गई है।किदवई नगर चौकी प्रभारी रहे प्रभास शर्मा ने सचेंडी के एक परचून दुकान को अगवाकर तीन लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। मामले में एसीपी पनकी की जांच के बाद आरोपित दारोगा और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद से दारोगा फरार चल रहा है। जूही आटो चालक का बीच सड़क सवारियां भरने से रोकने पर ट्रैफिक सिपाही से विवाद हो गया था। चालक यूट्यूबर का आटो बताकर सिपाही को धमकाया तो टीएसआई अवधेश कुमार राय ने उसका गला दबाते हुए पीट दिया था। नौबस्ता बाइपास पर तीन सवारी में कार्रवाई करने के बजाय ट्रैफिक सिपाही का अभद्रता करते हुए वीडियो इंटरनेट पर प्रचलित हुआ था। हालांकि आरोपित सिपाही के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं हुई।

पालकी में सवार पूर्व कलेक्टर संस्कृति जैन और बेटियों की ऐसे हुई विदाई

भोपाल , 09 अक्टूबर [एजेंसी]। जबलपुर रोड स्थित लूघरवाड़ा के निजी लॉन में आयोजित विदाई समारोह में पूर्व कलेक्टर संस्कृति जैन को पालकी में दोनों बेटियों के साथ बैठाकर कर्मचारियों ने वाहन तक पहुंचाकर विदाई दी।हाल ही में राज्य सरकार ने सिवनी कलेक्टर संस्कृति जैन का ट्रांसफर भोपाल किया है, जिसके चलते 3 अक्टूबर को विदाई समारोह व नवागत कलेक्टर के आगमन का कार्यक्रम रखा गया था। विदाई समारोह के बाद जब कलेक्टर संस्कृति जैन भोपाल जाने लगी तो उत्साहित कर्मचारियों उन्हें पालकी में बिठाकर अपने कंधों पर उठा लिया।इस दौरान पूर्व कलेक्टर के सम्मान में कर्मचारियों की अलग ही तस्वीर देखने को मिली। कलेक्टर के साथ उनकी दोनों बेटियां ध्वनि व तरंग जैन भी पालकी में बैठी।

पूर्व कलेक्टर जैन के हंस मुख व सरल स्वभाव से सभी कर्मचारी प्रभावित थे। कर्मचारियों के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर पूर्व कलेक्टर जैन आगे बढ़कर विभागीय अमले का नेतृत्व करती थी, गलतियों के बारे में बताती थी। वहीं जिले के सरकारी स्कूलों की दिशा व दशा सुधारने कलेक्टर जैन द्वारा प्रारंभ किए गए गिफ्ट ए डेस्क अभियान को काफी लोकप्रियता मिली, जिसे सभी वर्गो ने काफी सराहा। इस अभियान में दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विदाई के दौरान गाना बज रहा था... पालकी में होके सवार चली रे, मैं तो अपने साजन के द्वार चली रे। इस गाने ने माहौल को और भावपूर्ण बना दिया। पूर्व कलेक्टर संस्कृति जैन ने नगर पालिक निगम भोपाल आयुक्त का प्रभार संभाल लिया है।

अयोध्या में अधिवक्ता को गोली मारने के मामले में दो सगे भाइयों सहित चार लोग गिरफ्तार

अयोध्या, 09 अक्टूबर [एजेंसी]। अधिवक्ता आलोक सिंह पर हुए जानलेवा हमले में दो सगे भाइयों सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए लोगों में लवकुशनगर निवासी मोहित पांडेय उसका भाई धर्मवीर तथा साथी सूरज एवं अताउल्ला शामिल हैं। कार्रवाई की पुष्टि कोतवाल अयोध्या मनोज शर्मा ने की है।गत दो अक्टूबर की शाम अयोध्याधाम में रामघाट के पास अधिवक्ता आलोक सिंह को लवकुश नगर निवासी मोहित पांडेय ने गोली मारी थी। हमले के बाद लोगों ने मोहित को पकड़ कर उसकी पिटाई कर दी थी। आलोक का लखनऊ के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मोहित के भाई धर्मवीर ने कुछ माह पहले आलोक सिंह पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें आलोक पर हमला करने का आरोप लगाया था। इसके बाद आलोक ने न्यायालय से धर्मवीर पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आलोक के भाई बृजेश की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में मोहित और उसके भाई धर्मवीर, धीरज व उनके सहयोगी सूरज निषाद व अज्ञात पर हमले का आरोप लगाया गया है। इस हमले की साजिश रचने का आरोपी अनूप गुप्ता को बताया गया है।

कोना-कोना तोड़ा गया... दूसरे दिन भी चला नफीस की संपत्ति पर बुलडोजर, अब इन लोगों के घर हो सकता है एक्शन

बरेली, 09 अक्टूबर [एजेंसी]। शहर में उपद्रव करने वाले मौलाना तौकीर के करीबी नफीस के अवैध रजा पैलेस के बचे हुए हिस्से पर रविवार को भी बुलडोजर गरजा। सुबह दस से शाम चार बजे तक दो बुलडोजर के साथ 40 से अधिक कर्मचारी ने गैस कटर और घन-हथौड़ा चलाकर कोना-कोना तोड़कर पूरी बिल्डिंग जमींदोज कर दिया।रजा पैलेस के ध्वस्त होने के बाद अब माना जा रहा है कि प्रशासन किला क्षेत्र में ही उसके अन्य होटल-बरातघरों पर भी बुलडोजर कार्रवाई कर सकता है। बीते शुक्रवार को रोक के बाद भी प्रदर्शन के नाम पर उपद्रव करने वाले मौलाना तौकीर और उसके करीबियों पर प्रशासन की ओर से कार्रवाई शनिवार के बाद रविवार को भी जारी रहा। जखीरा स्थित नफीस

के अवैध रजा पैलेस के छूटे हुए 15 प्रतिशत हिस्से को भी पूरी तरह तोड़कर जमींदोज कर दिया गया।इस दौरान दो बुलडोजर के साथ 40 कर्मचारी सिर्फ घन और हथौड़े चलाने में जुटे रहे। इस दौरान शनिवार की तरह रविवार को भी भारी पुलिसबल तैनात किए गए थे। अधिकारियों के अनुसार पैलेस से सटे हुए घरों के स्वामियों द्वारा भवन को नुकसान नहीं पहुंचे इसके लिए कामगारों को लगाकर कार्रवाई की गई। इससे कार्रवाई दूसरे दिन तक खिंच गई। हालांकि प्रशासन की कार्रवाई का आसपास के लोग पूरी तरह समर्थन करते नजर आए। इसके पीछे मौलाना और उसके गुर्गे नफीस द्वारा आमजन में बनाए गए डर को भी कारण माना जा रहा है।शहर में मौलाना तौकीर के करीबी नफीस के रजा पैलेस को ध्वस्त करने के बाद अब उसके अन्य अवैध संपत्तियों को चिह्नित किया जा रहा है। साथ ही नदीम समेत अन्य उपद्रवियों की भी कुंडली तैयार कर ली गई है।

झारखंड कांग्रेस में नई टीम के गठन पर विवाद: नए जिलाध्यक्षों को बताया गया बाहरी, चयन प्रक्रिया पर उठे सवाल

रांची,09 अक्टूबर । झारखंड के जिलों में कांग्रेस की नई टीम ने कमान संभाल लिया है। इसके साथ ही विरोधी गुट भी सक्रिय हो गया है और कोडरमा में इसका प्रमाण प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए कांग्रेसियों के माध्यम से मिला। बयान जारी कर पुरानी टीम ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को बाहरी करार दिया है तो चयन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया है। दूसरी ओर, नई टीम ने विरोध करनेवालों को स्लीपर सेल का तमगा देते हुए कहा है कि ऐसे लोगों के कारण ही कांग्रेस का पूरे देश में खराब हाल हो गया है। इस तरह की बातें प्रदेश के कई क्षेत्रों से सामने आ रही है। दरअसल, झारखंड में कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों को बदला है। इसके लिए निर्धारित मानकों को नजरअंदाज करते हुए नई टीम के गठन के आरोप लग रहे हैं। कोडरमा की कुछ ऐसी ही कहानी है। केंद्रीय नेतृत्व से लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी तक ने प्रेस के सामने बयान दिया था कि जिलाध्यक्ष के तौर पर उन्हीं लोगों का चयन होगा, जिन्होंने वर्षो तक कांग्रेस में पूरी निष्ठा से काम किया है। कोडरमा में हाल में ही पार्टी में शामिल हुए वामपंथी नेता को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। इसके खिलाफ पुराने कांग्रेसियों में बैठक की और बयान भी जारी किए।निवर्तमान जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान ने इस बैठक के संदर्भ में बताया कि हम लोग आपस में बैठक कर रहे थे। कुछ लोगों ने नए जिला अध्यक्ष के चयन के खिलाफ बातें कही हैं, लेकिन यह पार्टी का अधिकृत बयान नहीं है। सूत्रों के अनुसार इस तरह की गतिविधियां अन्य जिलों में भी चल रही हैं।

भारत-चीन के बीच सीधी फ्लाइट 26 अक्टूबर से, तीन गुना बढ़ सकते हैं यात्री, किसे होगा सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली, 09अक्टूबर [एजेंसी]।भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवा पांच साल बाद फिर से शुरू होने जा रही है। यह बड़ी शुरुआत इंडिगो एयरलाइंस करेगी, जो 26 अक्टूबर 2025 से कोलकाता-ग्वांगझू सीधी उड़ान शुरू करने वाली है। इस उड़ान से यात्रियों को साधा सफर मिलेगा और समय पर खर्च दोनों की बचत होगी। इंडिगो की पहली सीधी उड़ान कोलकाता से 26 अक्टूबर की रात 10 बजे रवाना होगी और सुबह 4 बजे ग्वांगझू पहुंचेगी। टिकट की कीमत 15 हजार रुपये रखी गई है। एयर इंडिया भी जल्द ही दिल्ली-शंघाई सर्विस शुरू करने पर काम कर रही है।इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि यह कदम उनके ग्लोबल ग्रोथ प्लान का हिस्सा है और कंपनी

भविष्य में चीन के और भी शहरों तक उड़ानों को शुरू करने पर विचार कर रही है। इस एलान के बाद इंडिगो के शेयरों में 1.5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई।विदेश मंत्रालय ने पहले ही घोषणा की थी कि भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर 2025 के अंत से शीतकालीन शेड्यूल में बहाल होंगी। एविएशन एक्टपर्ट्स का अनुमान है कि सीधी उड़ानें बहाल होने के बाद यात्री संख्या तीन गुना बढ़कर 30 लाख सालाना हो सकती है।2020 में गलवान घाटी झड़प के बाद दोनों देशों के बीच सभी सीधी उड़ानें बंद हो गई थीं। उस समय हर हफ्ते करीब 500 डायरेक्ट फ्लाइट्स चलती थीं और सालाना 12.5 लाख लोग यात्रा करते थे। नई डायरेक्ट फ्लाइट्स से छात्रों, बिजनेस यात्रियों और पर्यटकों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।छोटे और मध्यम उद्यमों को अपनी सप्लाई चेन तेज करने में राहत मिलेगी। ई-कॉमर्स, फार्मा और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को व्यापारिक लाभ मिलेगा। एयरलाइंस और एयरपोर्ट्स को भी नए राजस्व स्रोत मिलेंगे। भारतीय पर्यटन स्थलों में चीनी यात्रियों की खास रुची है। खासतौर पर बौद्ध पर्यटन स्थल जैसे गया, सारनाथ, कुशीनगर, नालंदा और लद्दाख चीनी चात्रियों को आकर्षित करते हैं। इसके अलावा आगरा, दिल्ली जयपुर और अजंता-एलोरा गुफाएं भी चीनी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं। भारत का योग और आयुर्वेद आधारित वेलनेस टूरिज्म भी चीनी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है।

माउंट एवरेस्ट के पूर्वी तिब्बती हिस्से में फंसे सैकड़ों चीनी पर्यटक, नेशनल डे पर मना रहे थे छुट्टी

तिब्बत, 09 अक्टूबर [एजेंसी]। तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के पूर्वी हिस्से में ट्रेकिंग कर रहे सैकड़ों लोगों को बर्फीले तूफान से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चीन के सरकारी मीडिया ने बताया कि ट्रेकिंग दल हिमालय में असामान्य रूप से हुई बारिश में फंस गया था। 350 लोगों को क्वादांग शहर पहुंचा दिया गया है, जबकि 200 से अधिक ट्रेकर्स से संपर्क का प्रयास किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रभावित इलाके में एक हजार से ज्यादा लोगों के फंसे होने का अनुमान है। घटना के बाद से एवरेस्ट के आसपास के पर्यटक स्थलों के लिए टिकट बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। बताया गया कि चीन में राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में आठ दिनों की

छुट्टियां चल रही हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में लोग रोमांचकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए कर्मा घाटी पहुंचे थे। ये घाटी एवरेस्ट के पूर्वी हिस्से में स्थित कांगशुंग में स्थित है। ये घाटी समुद्र तल से 4200 मीटर (13779 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। घाटी में शुक्रवार शाम से ही बर्फबारी हो रही थी।चीनी मीडिया के मुताबिक सैकड़ों ग्रामीणों और बचाव दल को आपदा में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगाया गया है। ये लोग रास्ते से बर्फ भी हटा रहेहैं। अभी ये साफ नहीं हो सका हैकि इस घटना के लिए स्थानीय गाइड जिम्मेदार हैं कि नहीं। मामले की जांच की जा रही है। माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से में भी पता लगाया जा रहा है कि वहां आनेवाले पर्यटक बारिश या बर्फबारी से प्रभावित हुए हैं या नहीं।

गाजियाबाद में अगले दो दिनों तक बादल छाए रहने की उम्मीद

गाजियाबाद,09 अक्टूबर(एजेंसी)। हफ्तेभर आसमान में मंडराते बादलों की वजह से गर्मी से राहत रही थी, लेकिन रविवार को दिनभर तेज धूप निकली तो गर्मी महसूस हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में बादल मंडराते रहने की वजह से गर्मी से हल्की राहत रह सकती है। हफ्तेभर पहले हुई वर्षा के बाद से एक दिन पहले तक आसमान में बादल मंडराते रहने से गर्मी से राहत रही थी। शनिवार को सुबह से शाम तक कुछ देर के लिए ही आसमान में बादल मंडराते रहे थे। ज्यादातर समय पूरे दिन धूप ही रही थी। जिससे दिन में हल्की गर्मी महसूस हुई थी। वैसा ही मौसम रविवार को भी रहा।सुबह सवेरे से ही तेज धूप रहने के बाद दिन में कुछ देर के लिए आसमान में बादल मंडराते रहे थे। पूरे दिन तेज धूप रहने से हल्की गर्मी महसूस हुई। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा अधिकतम छह किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता 74 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में बादल मंडराते रहेंगे। जिससे गर्मी से राहत के आसार हैं। सोमवार को न्यूनतम तापमान 23 डिग्री और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। हवा अधिकतम 11 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 83 प्रतिशत रह सकती है।

बेटी का एमबीबीएस में एडमिशन कराके लोट रहे थे घर, ट्रेन में हुआ कुछ ऐसा कि चली गई जान

अलीगढ़, 09 अक्टूबर [एजेंसी]। स्टेशन पर गोमती एक्सप्रेस से गिरकर एक यात्री की मृत्यु हो गई। वह गोरखपुर में बेटी का एमबीबीएस में एडमीशन कराकर वापस आ रहे थे। लखनऊ से वह ट्रेन में सवार हुए थे। स्टेशन पर उतरते समय प्लेटफार्म व ट्रेन के बीच में गिर गए।

इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां पर उन्हें वेंटीलेटर नहीं मिला। स्वजन मेडिकल से वरुण हास्पीटल ले गए। यहां उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। आईटीआई रोड के किशनपाल अपनी बेटी विधि शर्मा का गोरखपुर में एमबीबीएस प्रवेश कराने गए थे। प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराने के बाद वह शनिवार देर रात लखनऊ स्थित चारबाग

स्टेशन पर आ गए थे। आरक्षित टिकट नहीं मिलने पर वह रविवार की सुबह गोमती एक्सप्रेस के जनरल कोच में सामान्य टिकट लेकर पिता-पुत्री सवार हो गए।अलीगढ़ जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या चार पर गोमती एक्सप्रेस दोपहर करीब 12.15 बजे पहुंची। ट्रेन में भीड़ के चलते पुत्री विधि शर्मा पहले उतर गई, लेकिन किशनपाल नहीं उतर पाए। तभी ट्रेन चल दी। चलती ट्रेन में उतरने के दौरान किशनपाल ट्रेन व प्लेटफार्म के बीच में गिर गए। तभी यात्रियों ने चेन पुलिंग करके ट्रेन को रोक दिया। यात्रियों ने बमुश्किल रेलवे ट्रेक पर गिरे यात्री को प्लेटफार्म पर लेटा दिया। स्टेशन अधीक्षक कार्यालय से स्ट्रेचर लाने में आरपीएफ को करीब 10 मिनट लग गए। घायल अवस्था में बेटी विधि अन्य लोगों की मदद से उपचार के लिए जेएन मेडिकल कालेज ले गईं।

पुत्री ने बताया कि पिता किशनलाल के सिर व हाथ में चोटें आई थीं।गंभीर हालत में भी मेडिकल में वेंटीलेटर नहीं मिला।

मजबूरन क्वार्सी स्थित वरुण हास्पीटल में भर्ती कराया गया। यहां उपचार के दौरान शाम को यात्री किशनलाल की मृत्यु हो गई। मृतक किशनपाल के परिवार पत्नी प्रेमकला व पुत्री प्रियंका व विधि हैं। बड़ी पुत्री प्रियंका का विवाह हो चुका है। छोटी पुत्री विधि हैं। किशनपाल कृषि विभाग से सेवानिवृत्त हो गए थे।

शुभांशु शुक्ला केंद्र के विकसित भारत बिल्डथान के ब्रांड एंबेसडर बन

नई दिल्ली,09 अक्टूबर। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला को केंद्र सरकार के विकसित भारत बिल्डथान का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।बिल्डथान एक राष्ट्रव्यापी नवाचार आंदोलन है, जो कक्षा छह से 12 तक के स्कूलों के छात्रों को शामिल करने के लिए बनाया गया है। बिल्डथान देश भर के 1.5 लाख स्कूलों के एक करोड़ से अधिक छात्रों को चार विषयों के अंतर्गत

प्रोटोटाइप की कल्पना, डिजाइन और विकास के लिए प्रेरित करेगा। यह शिक्षा मंत्रालय द्वारा अटल नवाचार मिशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बिल्डथान 23 सितंबर को शुरू हुआ और पंजीकरण छह अक्टूबर तक खुले हैं। लाइव बिल्डथान 13 अक्टूबर को आयोजित होगा और विजेताओं की घोषणा दिसंबर में की जाएगी। बिल्डथान के अंतर्गत कक्षा 6-12 में पढ़ने वाले छात्रों से टीमों में शामिल होने, रचनात्मक रूप से सोचने और वास्तविक जीवन की चुनौतियों का समाधान करने वाले विचार और प्रोटोटाइप विकसित करना शामिल है। छात्र राष्ट्रीय महत्व के चार विषयों पर काम करेंगे। इसमें आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फार लोकल और समृद्धि पर फोकस होगा।

पाक आर्मी की गीदड़भभकी, अब भारत से युद्ध हुआ तो तबाही होगी; पीछे नहीं हटेंगे

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारियों की हालिया चेतावनियों के बाद पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया दी है। दोनों पक्षों के कड़े बयान पर क्षेत्र में तनाव दिख रहा है। विजयादशमी (2 अक्टूबर) को भुज में जवानों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान कोई दुस्साहस करेगा

पूणे और मुबंई के तीन एजेंटों ने किया करोड़ों का जमीन घोटाला, रेरा ने खरीदी-बिक्री पर लगाई रोक

रायपुर, 05 अक्टूबर (एजेंसी)। राज्य गठन के बाद सबसे बड़ा जमीन घोटाला सामने आया है। यहां करीब 50 एकड़ सरकारी भूमि को पहले किसानों के नाम आवंटित किया गया और फिर योजनाबद्ध तरीके से इसे निजी कंपनियों और एक मल्टीनेशनल कंपनी को बेच दिया गया। इस पूरे खेल की कीमत लगभग 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, डोमा गांव (प.ह. नं. 84) की भूमि लंबे समय से राजस्व रिकॉर्ड में घास और चराई की जमीन के रूप में दर्ज थी। ऐसी भूमि किसी भी स्थिति में निजी स्वामित्व में नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद कुछ किसानों को इसका आवंटन कर दिया गया। बाद में इन किसानों से दो नामी कंपनियों स्वास्तिक प्रोजेक्ट्स और रूपी रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड ने जमीन खरीद ली।

चौंकाने वाली बात यह रही कि अधिकारियों ने भी बिना किसी गहन जांच के यह ट्रांसफर मान्य कर दिया और करोड़ों की सरकारी जमीन निजी हाथों में पहुंच गई। इसके बाद यह भूमि एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी को बेच दी गई, जिसने आगे प्लॉटिंग कर बिक्री की तैयारी शुरू कर दी।

बिना पंजीयन ही शुरू हुई बिक्री

रेरा (रीयल एस्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी) के मुताबिक, इस परियोजना का पंजीयन तक नहीं कराया गया था। इसके बावजूद सोशल मीडिया और विज्ञापनों के जरिए जमीन बेचने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। शिकायत दर्ज होने पर रेरा ने जांच की और परियोजना की सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी। रेरा ने इस मामले में तीन एजेंटों शशिकांत झा (पुणे), दीक्षा राजौर (मुंबई) और प्रॉपर्टी क्लाउड्स रियल्टी स्पेसिफायर प्राइवेट लिमिटेड (मुंबई) को नोटिस जारी किया है। इन पर नियमों के उल्लंघन का आरोप है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ से 10 दिन की देरी से लौटेगा मॉनसून

रायपुर , 09 अक्टूबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रायपुर में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, कई इलाकों में रविवार को भी बारिश की संभावना है। इस बार मॉनसून 15 अक्टूबर के बाद वापस लौटेगा। वहीं, कुछ जिलों में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, राजनांदगांव, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर इन 7 जिलों में बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, कई जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां बिजली चमकने, बादल गरजने और आंधी चलने की आशंका है। बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है।आज से कम होंगी गतिविधियां

मौसम विभाग के अनुसार, आज से पूरे प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में गिरावट आएगी। इसके साथ ही मॉनसून की विदाई शुरू हो जाएगा। विभाग के अनुसार, अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक मॉनसून की पूरी तरह से विदाई हो जाएगी। हालांकि मॉनसून के जाते-जाते भी कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है।

कैसा रहा पिछले 24 घंटे का मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे प्रदेश के सभी संभाग में हल्की और मध्यम वर्षा हुई है। हालांकि मौसम में बदलाव के साथ ही कई जिलों में गर्मी भी बढ़ गई है। शनिवार को सबसे ज्यादा तापमान दुर्ग जिले का दर्ज किया गया। दुर्ज जिले का तापमान 31.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री भी दुर्ग में दर्ज किया गया।

मॉनसून की विदाई 15 के बाद

मौसम विभाग के अनुसार, 30 सितंबर तक की बारिश को ही मॉनसून की बारिश माना जाता है। इसके बाद की बारिश को पोस्ट मानसून कहा जाता है। विभाग ने कहा- देश के कई हिस्सों से मॉनसून की वापसी शुरू हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में आमतौर पर 5 अक्टूबर के आसपास से मॉनसून लौटने लगता है लेकिन इस बार वापसी में देरी हो सकती है। मॉनसून करीब 15 अक्टूबर के बाद लौटेगा।

उफनती नदी में डोंगी डूबी, ग्रामीणों ने जान पर खेलकर बचाई कई जानें

सूरजपुर , 09 अक्टूबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से एक बड़ा हादसा टल गया, जहाँ तेज बहाव वाली नदी पार करते समय एक नाव डूब गई। हालाँकि, मौके पर मौजूद ग्रामीणों और पास की दूसरी नाव के लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पानी में गिरे सभी सवारों को सुरक्षित बचा लिया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है।घटना का स्थान और कारणयह घटना जिले के ओड़गी ब्लॉक के दूरस्थ गाँव सौहार की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, ग्रामीण डोंगी नुमा नावों में बैठकर नदी पार कर रहे थे।

अलग-अलग क्षेत्र से तीन दोपहिया वाहन पार

रायपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने तीन दोपहिया वाहन पार कर दिया। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मंगल बाजार आजाद चौक निवासी सन्नी सारथी 22 वर्ष ने डीडीनगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एमक्यू 9970 को महादेव घाट के विसर्जन घाट में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में शिवविहार कालोनी डीडीनगर निवासी अभय वर्मा 19 वर्ष ने कोतवाली थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केजे 3596 को इंडोर स्टेडियम के पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरहह तीसरे मामले में विवेक वम्रा 24 वर्ष अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एचसी 4108 को आरंग के शराब दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलााफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शिव मंदिर में आपत्तिजनक कृत्य से फैला तनाव, 9 गिरफ्तार

बिलासपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। शहर के सरकंडा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात शिव मंदिर परिसर में एक युवक द्वारा किए गए आपत्तिजनक कृत्य के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए न सिर्फ मुख्य आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया, बल्कि उपद्रव फैलाने वाले अन्य 8 लोगों को भी हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार रात करीब 7:30 बजे की है जब आरोपी अशरफ खान, पिता अनीष खान ने मंदिर परिसर में अनुचित हरकत की। जैसे ही यह खबर इलाके में फैली, लोगों का गुस्सा भड़क उठा और स्थिति तेजी से तनावपूर्ण हो गई।

इस स्थिति का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी। उन्होंने एक ठेले को क्षतिग्रस्त कर दिया और एक बाइक सहित अन्य सामान को आग के हवाले कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को नियंत्रित किया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रजनेश सिंह के नेतृत्व में विशेष पुलिस बल तैनात किया गया। आरोपी अशरफ खान के खिलाफ आईपीसी की धारा 299, 296, और 351(2) के तहत अपराध क्रमांक 1355/25 दर्ज किया गया है। वहीं, उपद्रव फैलाने वालों के खिलाफभी अलग से मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद इसराईल, अरमान खान, सलमान खान, सहादत्त खान उर्फ छोटू, वैधनाथ यादव, ओमप्रकाश मानिकपुरी उर्फ गब्बर, करण यादव उर्फ केडी, गौकरण साहू उर्फ बोदू और कैलाश साहू के नाम शामिल हैं। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि फरार अन्य उपद्रवियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे मामले पर पुलिस की कड़ी नजर है और क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। फिलहाल अशोक नगर सहित आसपास के इलाकों में पुलिस बल तैनात है और स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर देशभर में मचा हड़कंप, छत्तीसगढ़ में भी अलर्ट जारी

रायपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर देशभर में चिंता का माहौल है। राजस्थान और मध्यप्रदेश में इस सिरप के सेवन से अब तक 12 बच्चों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इसके चलते मध्यप्रदेश और तमिलनाडु सरकार ने इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सिरप के सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं। यह कफसिरप तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले की फार्मा कंपनी श्रीसन फार्मा द्वारा निर्मित की गई है। प्राथमिक जांच में इस सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा खतरनाक स्तर तक पाई गई है, जो शरीर के लिए अत्यधिक विषैली होती है और इससे गुर्दे फेल होने जैसे गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल राज्य में इस कंपनी की सिरप की कोई आपूर्ति नहीं की गई है। लेकिन एहतियातन इस सिरप को राज्य में भी प्रतिबंधित करने की तैयारी की जा रही है ताकि किसी तरह की आशंका या भ्रम की स्थिति न बने। विभाग ने बताया कि बाजार में निगरानी बढ़ा दी गई है और संबंधित दवा की बिक्री रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के दवा व्यवसायी अश्वनी विग ने जानकारी दी कि राज्य में न तो कोल्ड्रिफसिरप की बिक्री हो रही है और न ही श्रीसन फार्मा का कोई गोदाम यहां मौजूद है। इसके बावजूद पड़ोसी राज्यों में बच्चों की मौत की के चलते लोगों में डर का माहौल बन गया है।

जिले में हाथियों का कहर जारी, चरवाहे की मौत से दहशत

बलरामपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। जिले के वाड्रफनगर वन क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला मदनपुर गांव के पास चटनियां जंगल का है, जहां शुक्रवार को हाथियों के हमले में एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान सोहन सिंह के रूप में हुई है, जो सुबह अपने मवेशियों को चराने जंगल गया था।दोपहर करीब 12 बजे जंगल में अचानक उसका सामना दो हाथियों से हो गया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, हाथियों ने उस पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, उसके साथ मौजूद एक अन्य ग्रामीण किसी तरह जान बचाकर भाग निकला। घटना की जानकारी ग्रामीणों को कुछ समय बाद लगी। जब लोग जंगल में सोहन सिंह की तलाश में पहुंचे तो उनका शव बरामद हुआ। तुरंत परिजनों और वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वाड्रफनगर के वन परिक्षेत्र अधिकारी रामनारायण राम अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए वाड्रफनगर सिविल अस्पताल भिजवाया। वन विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को तात्कालिक राहत के तौर पर 25,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। इसके साथ ही ग्रामीणों को हाथियों की सक्रियता को लेकर सचेत किया जा रहा है। विभाग की टीम द्वारा गांव-गांव में मुनादी कर हाथियों के मूवमेंट की जानकारी दी जा रही है और लोगों से जंगल की ओर न जाने की अपील की जा रही है। वन परिक्षेत्र अधिकारी रामनारायण राम ने बताया कि हाथियों की मौजूदगी की सूचना लगातार व्हाट्सएप ग्रुप और फील्ड विजिट के जरिए ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है। साथ ही विभाग की टीम जंगल में गश्त कर रही है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और अकेले जंगल की ओर न जाएं, खासकर मवेशियों को चराने के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतें।

पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

अंबिकापुर, 00 अक्टूबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में एक पति द्वारा अपनी पत्नी की हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र के डिगामा ग्राम पंचायत में शनिवार रात को हुई।

वारदात का कारण और तरीका

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी उमाशंकर ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपनी पत्नी शिला के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने हैवानियत की हद पार कर दी और डंडे से गला दबाकर पत्नी की जान ले ली।पुलिस ने शुरू की जांचघटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची। पुलिस ने शव का निरीक्षण किया, जिसमें मृतक शिला के गले पर चोट के निशान पाए गए हैं, जो हत्या की पुष्टि करते हैं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पति उमाशंकर को हिरासत में ले लिया है। पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।यह एक गंभीर आपराधिक मामला है जिसमें घरेलू हिंसा और शराब के नशे में हुई वारदात की आशंका है।

एआईसीसी ने भूपेश को बिहार चुनाव में बनाया सीनियर ऑब्जर्वर

रायपुर 09 अक्टूबर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्हें सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है।छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी को शनिवार को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तीनों वरिष्ठ नेताओं को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त करने को मंजूरी दी है। कांग्रेस बिहार में अपनी जमीन को मजबूत करने में जुटी हुई है। हाल ही में राहुल गांधी ने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाली। राहुल गांधी की इस यात्रा से पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ। कांग्रेस नेताओं के साथ महागठबंधन के नेता भी इस यात्रा में शामिल हुए थे। वोट अधिकार यात्रा में लोगों की भीड़ भी जुटी। अब कांग्रेस इस समर्थन को वोट में तब्दील करना चाहती है।बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस की बड़ी तैयारी

वरिष्ठ पर्यवेक्षकों के अलावा कांग्रेस ने 41 नेताओं को जिला चुनाव पर्यवेक्षक बनाया है। इनमें अविनाश पांडे, हरीश चौधरी, अजय राय, सतेज बंटी पाटील और भक्त चरण दास जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं। पार्टी ने संगठन में संतुलन बनाने के लिए युवाओं को भी बड़ी भूमिका दी है। कांग्रेस ने श्रीनिवास बी.वी., तनुज पुनिया, विक्रांत भूरिया और अभिषेक दत्त जैसे कई युवा नेताओं को जिला चुनाव पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपकर आने वाले चुनाव में युवाओं को जोड़ने का संदेश दिया है।अगले महीने संभावित चुनावसूत्रों के मुताबिक अगले महीने बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। ऐसे में चुनावी रणनीति मजबूत करने कांग्रेस ने बड़े नेताओं को मैदान में उतारना कोशिश शुरू कर दिया है। पार्टी को उम्मीद है कि अनुभवी नेताओं और युवाओं का यह संयोजन बिहार की सियासत में संगठन को नई ऊर्जा देगा।

सड़क की बदहाली पर महापौर हुए गंभीर कहा लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

जगदलपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। नगर पालिक निगम के महापौर संजय पांडे ने रविवार को लोकमान्य तिलक वार्ड, धरमपुरा का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा चल रहे निर्माण कार्य के कारण क्षेत्र की मुख्य सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ से स्थानीय निवासियों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने महापौर को अपनी समस्याएं बताईं, जिसके बाद उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके से ही हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन अभियंता (ईई) एम के सोम और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के ईई राजीव बत्रा को फोन लगाया । महापौर संजय पाण्डे ने सड़क को शीघ्र मरम्मत करने और मरम्मत कार्य हेतु प्रस्ताव तैयार कर जल्द शासन को भेजने के लिए कहा।

महापौर संजय पांडे ने कहा नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण कार्यों के चलते यदि नागरिकों को असुविधा हो रही है, तो संबंधित विभागों को तुरंत जिम्मेदारी निभानी होगी। अधिकारियों से कहा कि सड़क मरम्मत का कार्य बिना देरी शुरू किया जाए और जल्द से जल्द प्रस्ताव शासन को भेजा जाए ताकि धरमपुरा के लोगों को राहत मिल सके।

महापौर ने यह भी स्पष्ट किया कि नगर निगम नागरिकों की समस्याओं को लेकर संवेदनशील है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वदेशी मेला में महिला समूहों के उत्पाद खुब लुभा रहे ग्राहकों को

जगदलपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। बस्तर दशहरे के अवसर पर 1 से 8 अक्टूबर तक बस्तर जिले में आयोजित स्वदेशी मेला ने स्थानीय संस्कृति और ग्रामीण आजीविका की अनूठी छटा बिखेर दी है। इस मेले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने हाथों से बने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को प्रदर्शित और विक्रय कर आत्मनिर्भरता का संदेश दिया है।जिला पंचायत स्टॉल बना आकर्षण का केंद्रमेले में जिला पंचायत का स्टॉल आकर्षण का केंद्र बन गया है। जहां बस्तर और संभाग के अन्य जिलों की महिला समूहों द्वारा उत्पादित विविध सामग्रियां ग्राहकों को खूब लुभा रही हैं। इस स्टॉल पर विशेष रूप से हल्दी, मिर्ची, धनिया, तीखुर जैसे शुद्ध मसाले, साथ ही पारंपरिक व्यंजन जैसे महुआ लड्डू, इमली चपाती, कुकीज़, और मिक्सचर उपलब्ध हैं।कला और शिल्प का अद्भुत संगमउत्पादों की श्रंखला सिर्फ खाद्य सामग्रियों तक सीमित नहीं है। यहां बेलमेटल की उत्कृष्ट कलाकृतियाँ, काष्ठकला के महीन नमूने, और पारंपरिक वेशभूषा एवं सूती वस्त्र जैसे परिधान भी प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अलावा, बाँस के समान, सीसल और जूट से बने आकर्षक उत्पाद, हस्तनिर्मित ज्वैलरी तथा घर की रोजमर्रा की ज़रूरतों के लिए साबुन, सर्फ, फिनाइल और सेनेटरी पैड जैसे उत्पाद भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।इस मेले में बस्तर संभाग के अन्य जिलों के स्वयं सहायता समूह सदस्यों द्वारा बनाए गए उत्पादों को भी शामिल किया गया है, जो 'लोकल फॉर वोकल' की भावना को बल देते हुए ग्रामीण महिलाओं के उद्यमशीलता के हुनर को एक बड़ा मंच प्रदान कर रहा है।यह मेला ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी भी बयां कर रहा है।

चांदी की झूठी लूट की कहानी रचने वाला कारोबारी गिरफ्तार, जुए में गंवाए पैसे छिपाने की थी साजिश

रायपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। डिजिटल निगरानी के इस दौर में झूठी कहानियों से बच निकलना अब आसान नहीं रहा है। ऐसा ही मामला सामने आया है रायपुर में, जहां एक चांदी कारोबारी ने करोड़ों की लूट की फर्जी कहानी गढ़ दी, लेकिन 24 घंटे के अंदर ही उसकी चालाकी का पर्दाफाश हो गया।आरोपी राहुल गोयल, जो मूल रूप से अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है, रायपुर में 'शिवा ट्रेडर्स' नाम से चांदी का कारोबार करता है। वह आगरा की एक कंपनी का अधिकृत सीएफए (कैरी एंड फॉरवर्ड एजेंट) है, और वहां से चांदी के आभूषण लाकर रायपुर के व्यापारियों को सप्लाई करता है। प्रति किलो 500 रुपये का कमीशन उसका मुख्य मुनाफा होता है।राहुल ने पुलिस को बताया कि दिवाली के लिए वह करीब 200 किलो चांदी रायपुर लाया था।

इसमें से 100 किलो वापस आगरा भेज दी गई, जबकि 14 किलो की बिक्री हो चुकी थी। शेष 86 किलो चांदी का ऑर्डर बाकी था। शुक्रवार रात उसने दावा किया कि खाना खाने के बाद वह सो गया और रात करीब 3 बजे किसी ने दरवाजा खटखटाया। बाहर दो नकाबपोश थे, जिन्होंने हथियार दिखाकर उसके घर में घुसकर चांदी लूट ली।उसका कहना था कि विरोध करने पर उस पर चाकू से हमला किया गया और उसे बेहोश कर दिया गया। होश में आने पर उसने खुद को बंधन से छुड़ाया और पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। उसने यह भी बताया कि लुटेरे रस्सी के सहारे बालकनी से भागे और साथ में छ्ङ्कक्र (छ्वष्ट्टङ्क रिकॉर्डिंग सिस्टम) भी ले गए।हालांकि, पुलिस ने घटनास्थल की जांच की तो कहानी में कई झोल नजर आए। छ्ष्टञ्जङ्क, कॉल रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा और आस-पड़ोस की पूछताछ के आधार पर साफ हो गया कि कोई लूट हुई ही नहीं। जांच में पता चला कि राहुल जुए और सट्टे में भारी रकम गंवा चुका था। उसने नुकसान की भरपाई और उधार चुकाने से बचने के लिए यह नाटक रचा था।

पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। अब उस पर झूठी स्नङ्घक्रदर्ज करने, सबूत मिटाने और पुलिस को गुमराह करने के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि तकनीक के युग में अपराध छिपाना आसान नहीं है। झूठ और धोखे की कितनी भी परत चढ़ा ली जाए, सच सामने आ ही जाता है।

बेमेतरा के पाइप फैक्ट्री में लगी भीषण आग

बेमेतरा, 09 अक्टूबर (एजेंसी)। जिले के ओड़िया गांव स्थित पाइप फैक्ट्री में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई. यहां पिछले 10 सालों से कृषि संबंधित पाइप और दूसरे सामान तैयार किए जाते हैं. आग से काफी सामान और मशीनें जलकर खाक हो गई है. तेज हवा के कारण आग फैक्ट्री के अन्य हिस्सों में भी फैल गई है. घटना में करोड़ो रुपए का नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक खंडडसरा चौकी क्षेत्र के ओड़िया गांव स्थित पाईप फैक्ट्री में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई. फिलहाल आग शॉर्ट सर्किट से लगी है या किसी और वजह से यह अभी स्पष्ट नहीं है. सूचना के बाद बेमेतरा और कवर्धा की दमकल वाहन की टीम मौके पर मौजूद है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए पंत रणजी ट्रॉफी से कर सकते हैं वापसी, मेडिकल टीम से मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। बाएं हाथ के बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हो गए थे। उनके दाएं पैर में चोट आई थी, इसके बावजूद वह अगले दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे जिससे स्थिति और बिगड़ गई थी। इसी वजह से उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने गए स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया।भारतीय स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जल्द ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंत अक्तूबर के आखिरी हफ्ते में दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते नजर आ सकते हैं। बता दें कि, बाएं हाथ के बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हो गए थे। उनके दाएं पैर में चोट आई थी, इसके बावजूद वह अगले दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे जिससे स्थिति और बिगड़ गई थी। इसी वजह से उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने गए स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया।10 अक्तूबर को मिल सकती है मंजूरीटाइम्स ऑफ इंडिया ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से जुड़े सूत्र के हवाले से कहा, %पंत के दाएं पैर की जांच इस हफ्ते बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में मेडिकल टीम द्वारा की जाएगी। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो उन्हें 10 अक्तूबर तक खेलने की मंजूरी मिल सकती है। यह उनके लिए लंबा रिकवरी पीरियड रहा है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।

पंत ने जताई दिल्ली के लिए रणजी खेलने की इच्छा

इस रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि पंत ने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली को सूचित किया है कि वह 25 अक्तूबर से शुरू होने वाले रणजी मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिल जाए। डीडीसीए के एक अधिकारी ने बताया, पंत ने अभी तक किसी तारीख की पुष्टि नहीं की है कि वह दिल्ली कैंप से कब जुड़ेंगे। पहले वह सीओई से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। 15 अक्तूबर से शुरू होने वाले पहले रणजी मैच में खेलना थोड़ा मुश्किल लग रहा है, लेकिन अगर वह उपलब्ध हुए तो टीम की कप्तानी भी करेंगे।% भारत को 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है। पंत 5 नवंबर तक दो रणजी मैच खेल सकते हैं, जिससे उन्हें टेस्ट सीरीज से पहले मैदान पर वापसी का मौका मिलेगा।

कर्नाटक की टीम में शामिल करुण नायर, द्रविड़ के बेटे अन्वय वीनू मांकड़ ट्रॉफी में संभालेंगे कमान

बंगलूरू ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। करुण का नाम इससे पहले संभावित खिलाड़ियों में शामिल था। मयंक अग्रवाल कर्नाटक की कप्तानी जारी रखेंगे और टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है जिसमें क्रुथिक कृष्णा, शिखर शेट्टी और मेहसिन खान शामिल हैं।भारत के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर की दो सत्र के बाद कर्नाटक की रणजी ट्रॉफी में वापसी हुई है। क

रुण को सौराष्ट्र के खिलाफ 15 अक्तूबर से राजकोट में होने वाले मुकाबले के लिए टीम में शामिल किया गया है। करुण इस सीजन विदर्भ से दोबारा कर्नाटक टीम के साथ जुड़े थे। करुण ने पिछले सीजन विदर्भ के लिए शानदार प्रदर्शन किया था और रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। नए चेहरों को मिला मौकाकरुण का

नाम इससे पहले संभावित खिलाड़ियों में शामिल था। मयंक अग्रवाल कर्नाटक की कप्तानी जारी रखेंगे और टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है जिसमें क्रुथिक कृष्णा, शिखर शेट्टी और मेहसिन खान शामिल हैं। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में अन्वय करेंगे कर्नाटक की कप्तानीभारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक टीम की कमान संभालेंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन देहरादून में नौ से 17 अक्तूबर तक होगा। टूर्नामेंट के पिछले सत्र में अन्वय अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

कर्नाटक की रणजी ट्रॉफी टीम- मयंक अग्रवाल (कप्तान), करुण नायर, आर सामरन, केएल श्रीजिथ (विकेटकीपर), श्रेयस गोपाल, विशाक विजयकुमार, विदवथ कावेरप्पा, अभिलाष शेट्टी, एम वेंकटेश, निकिन जोस, अभिनव मनोहर, क्रुथिक कृष्णा (विकेटकीपर), केवी अनीश, मोहसिन खान, शिखर शेट्टी।

वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए कर्नाटक की टीम- अन्वय द्रविड़ (कप्तान और विकेटकीपर), नीतीश आर्या, आदर्श डी उर्स, एस मणिकांत (उपकप्तान), प्रणीत शेट्टी, वसव वेंकटेश, अक्षत प्रभाकर, सी वैभव, कुलदीप सिंह पुरोहित, रतन बीआर, वैभव शर्मा, केए तेजव, अथर्व मालविय सनी कांची, रेहान मोहम्मद (विकेटकीपर)।

भारत से हार के बाद पाकिस्तान की सिदरा अमीन पर चला आईसीसी का चाबुक, इस गलती की सजा मिली

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। अमीन ने रविवार को भारत के खिलाफ आर प्रेमदासा स्टेडियम में 81 रन की पारी खेली लेकिन उनकी टीम जीत के लिए 247 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 159 रन पर आउट हो गई। अमीन की संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी के बावजूद भारत ने मैच 88 रन से जीता।पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन को भारत के खिलाफ महिला विश्व कप मैच के दौरान आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने फटकार लगाई और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जुड़ गया। अमीन ने रविवार को भारत के खिलाफ आर प्रेमदासा स्टेडियम में 81 रन की पारी खेली लेकिन उनकी टीम जीत के लिए 247 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 159 रन पर आउट हो गई। अमीन की संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी के बावजूद भारत ने मैच 88 रन से जीता।आईसीसी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, %सिदरा को खिलाड़ियों

और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह उल्लंघन %अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या खेल के दौरान इस्तेमाल होने वाली किसी चीज' के 'अनादर' से संबंधित है।% यह घटना पाकिस्तान के लक्ष्य का पीछा करते हुए 40वें ओवर में हुई जब स्नेह राणा द्वारा आउट होने के बाद उन्होंने अपना बल्ला जोर से पिच पर मारा। आईसीसी ने कहा, %इसके साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है और यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला उल्लघंन था। अमीन ने इस उल्लघंन और एमिरेट्स आईसीसी मैच रेफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल के सदस्य शैंड्रा फ्रिट्ज द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया है इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

संजू सैमसन के साथ अन्याय ! श्रीकांत बोले- आखिर ध्रुव जुरेल टीम में आए कैसे?

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। सैमसन ने वनडे में अब तक 14 पारियों में 56.7 की औसत से 510 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 99.6 का रहा है। इनमें तीन अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं। 108 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है।भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज और चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया से संजू सैमसन को बाहर रखने पर सख्त नाराजगी जताई है। श्रीकांत ने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक बार फिर सैमसन के साथ अन्याय किया है, जबकि उन्होंने अपने पिछले वनडे मैच में शानदार शतक लगाया था। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, फिर वही पुरानी कहानी! संजू के साथ बहुत अन्याय हुआ है। उसने अपने आखिरी वनडे में शतक बनाया था, फिर भी उसे टीम में जगह नहीं दी गई। आप किसी खिलाड़ी से इतना खेलते हैं, फिर उसे अचानक बाहर कर देते हैं। यह ठीक नहीं है।% सैमसन ने वनडे में अब तक 14 पारियों में 56.7 की औसत से 510 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 99.6 का रहा है। इनमें तीन अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं। 108 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है।ध्रुव जुरेल टीम में आए कैसे?श्रीकांत ने चयन समिति से यह भी सवाल किया कि ध्रुव जुरेल को अचानक टीम में कैसे शामिल कर लिया गया, जबकि उनके पास वनडे अनुभव बहुत कम है। उन्होंने कहा, एक दिन आप संजू को नंबर पांच पर खिलाते हैं, फिर कभी उसे ओपनिंग पर भेजते हैं, और कभी सात या आठ पर। और अब अचानक ध्रुव जुरेल टीम में आ गए? कम से कम सैमसन को पहला मौका तो मिलना चाहिए था। पूर्व चयनकर्ता ने कहा कि केएल राहुल को बतौर मुख्य विकेटकीपर शामिल करना ठीक है, लेकिन सैमसन को बैकअप विकल्प के रूप में रखना चाहिए था।%बार-बार बदलाव से खिलाड़ी कंफ्यूज हो रहेश्रीकांत ने चयनकर्ताओं की लगातार टीम में बदलाव करने की नीति पर भी सवाल उठाए और कहा कि इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास टूटता है। उन्होंने कहा, %इतने लगातार बदलाव से खिलाड़ी खुद भी कंफ्यूज हो जाते हैं।

व्यापार

चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौतों पर सरकार ने दिया बड़ा अपडेट, अगले दौर की बातचीत अक्तूबर-नवंबर में

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि चिली के साथ पांच दिवसीय व्यापार वार्ता 27 अक्तूबर को सैंटियागो में तो पेरू के साथ तीन दिवसीय बातचीत 3 नवंबर को लीमा में शुरू होगी। दोनों समझौतों पर अलग-अलग बातचीत की जा रही है। आइए इस बारे में क्या अपडेट हैं, विस्तार से जानें।

भारत और दक्षिण अमेरिका के दो देशों चिली और पेरू के बीच अगले दौर की बातचीत क्रमश- अक्तूबर और नवंबर में होगी। सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। अधिकारी ने बताया कि चिली के साथ पांच दिवसीय वार्ता 27 अक्तूबर को सैंटियागो में तो पेरू के साथ तीन दिवसीय बातचीत 3 नवंबर को लीमा में शुरू होगी।

दोनों समझौतों पर अलग-अलग बातचीत की जा रही है।चिली के साथ दूसरे और पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत होगीभारत चिली के साथ दूसरे दौर की व्यापार वार्ता और पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत करेगा। भारत और चिली ने 2006 में एक अधिमान्य व्यापार समझौता (पीटीए) लागू किया था और अब वे एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए इसके दायरे को बढ़ाने पर बातचीत कर रहे हैं।

सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाना है और इसमें डिजिटल सेवाओं, निवेश बढ़ाने और सहयोग

करने, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और महत्वपूर्ण खनिजों सहित क्षेत्रों की एक व्यापक शृंखला को शामिल करना है। भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार मामूली है। 2024-25 में, चिली को भारत का निर्यात 2.46 प्रतिशत घटकर मात्र 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। हालांकि, आयात 72 प्रतिशत बढ़कर 2.60 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है।

चिली को भारत का सबसे बड़ा निर्यात ऑटो और फार्मा

चिली को भारत का सबसे बड़ा निर्यात ऑटो और फार्मा है। चिली से सबसे बड़े आयात लगभग 1.58 अरब डॉलर के खनिज हैं। चिली से आयातित अन्य उत्पादों में तांबा और रसायन भी शामिल हैं। चिली एलएसी (लैटिन अमेरिकी देशों) क्षेत्र में भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

चिली को भारत का निर्यात विविध है और इसमें मोटर वाहन/कार, औषधि निर्माण, रसायन, लोहा और इस्पात उत्पाद, मानव निर्मित धागा, कपड़े, सूती कपड़े, मेड-अप, आरएमजी (रेडीमेड वस्त्र), ऑटो घटक, विद्युत मशीनरी और उपकरण, चमड़े के सामान, रबर उत्पाद, एल्यूमीनियम और इससे बने उत्पाद उत्पाद और चीनी मिट्टी की वस्तुएं शामिल हैं। दूसरी ओर, पेरू लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्रों में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर उभरा है।

2024-25 के दौरान पेरू को भारत का निर्यात लगभग 9 प्रतिशत बढ़कर 1 अरब डॉलर हो गया। दूसरी ओर, आयात 60 प्रतिशत बढ़कर 4.98 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। पेरू को भारत के मुख्य निर्यात में मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहन, पॉलिएस्टर और सूती धागे, फार्मास्यूटिकल्स, लोहा और इस्पात उत्पाद, प्लास्टिक उत्पाद, रबर, तेल और गैस उद्योग के लिए पाइप, टायर, पाइप आदि शामिल हैं। पेरू से मुख्य आयात सोना, तांबा, सिंथेटिक तंतु, कैल्शियम फॉस्फेट, ताजे अंगूर और मछली का आटा हैं।

दिवाली का असर...मलयेशिया-सिंगापुर से महंगी लखनऊ, पटना की उड़ान; 30 हजार तक पहुंचा किराया

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। दिवाली से पहले घरेलू हवाई किराया आसमान छूने लगा है। दिल्ली, मुंबई से लखनऊ और पटना की उड़ानें सिंगापुर और मलेशिया से भी महंगी हो गई। 30 हजार रुपये तक किराया पहुंचा।दिवाली के करीब आते ही विमानन कंपनियों ने ग्राहकों की जेब काटनी शुरू कर दी है। आलम यह है कि उत्तर भारत के प्रमुख शहरों में दिल्ली और मुंबई से यात्रा करने के लिए 30,000 रुपये तक किराया लिया जा रहा है। जबकि थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर और हांगकांग के लिए महज 17,000 रुपये में ही आप जा सकते हैं। विमानन कंपनियों की इस लूट से ग्राहकों को जबरदस्त परेशानी झेलनी पड़ रही है।विभिन्न ट्रैवल वेबसाइटों से चेक करने पर पता चला कि 18 अक्तूबर को दिल्ली से लखनऊ का किराया 13,618 से 18,738 रुपये है। जबकि 9 अक्तूबर को यही किराया 4,200 रुपये है। पटना के लिए 18 अक्तूबर को 15,248 से 26,072 रुपये किराया है, जो 9 अक्तूबर को 4,900 रुपये है। मुंबई से लखनऊ का 18 अक्तूबर का किराया 17,401 से 29,466 रुपये है जो 9 अक्तूबर को 7,202 रुपये है। बंगलूरू से लखनऊ का किराया इसी दौरान 16,429 से 23,656 रुपये है।आम दिनों में यह किराया 7,288 रुपये होता है। इसी तरह मुंबई से अहमदाबाद का किराया 18 अक्तूबर को 5,078 रुपये से 13,936 रुपये तक हो जाता है। सामान्य दिनों में यह 2,500 से 3,500 रुपये तक होता है। मुंबई से भोपाल के लिए 18 तारीख को 14,500 रुपये से 18,048 रुपये चुकाने होंगे, जो सामान्य दिनों में 6,099 रुपये होता है। मुंबई से जयपुर के लिए दिवाली के समय आपको 18,352 से 26,038 रुपये देने होंगे, जो सामान्य दिनों में 6 से 7 हजार रुपये होता है।त्योहार पर घर पहुंचने के लिए नहीं मिल रहे साधनत्योहारों या व्यस्त समय में विमानन कंपनियां फायदा उठाती हैं। छोटे रूट पर भी ये कंपनियां तीन से चार गुना तक किराया बढ़ा देती हैं। दिवाली के समय आलम यह है कि दिल्ली से लखनऊ, प्रयागराज या वाराणसी के लिए वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनों में भी टिकट नहीं है। अच्छी खासी वेटिंग चल रही है। बसों का किराया इस समय 4 से 5 हजार रुपये पहुंच गया है। ऐसे में त्योहार में अपने गांव जाने वाले यात्रियों को इस समय यातायात का कोई भी साधन उपलब्ध नहीं है।

इस बैंक में 1 लाख रुपए निवेश करें और पाएं 21,879 रुपए का गारंटीड ब्याज

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ गारंटीड रिटर्न की तलाश में हैं, तो फिक्स्ड डिपॉजिट (स्न्नष्ठ) एक बेहतरीन विकल्प है। इसी कड़ी में सार्वजनिक क्षेत्र का यूको बैंक (ष्ठह्र क्चड्डठ्ठद्म) अपने ग्राहकों के लिए शानदार ब्याज दरों वाली एफडी स्कीमें ऑफर कर रहा है। बैंक की एक खास स्कीम में मात्र 1 लाख रुपये का निवेश करने पर आपको मैच्योरिटी पर ?21,879 तक का निश्चित ब्याज मिल सकता है।

3 साल की स्न्नष्ठ पर समझें पूरा गणित

यूको बैंक अपने ग्राहकों को 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में अपनी पूंजी जमा करने की सुविधा देता है, जिस पर 2.90त्न से लेकर 7.95त्न तक की आकर्षक ब्याज दरें दी जा रही हैं। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई निवेशक 3 साल की अवधि के लिए 1 लाख रुपये की एफडी कराता है, तो एक सामान्य नागरिक को 6.25त्न की दर से ?20,093 का ब्याज मिलेगा और मैच्योरिटी पर कुल ?1,20,093 रुपये प्राप्त होंगे। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को 0.50त्न अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिलता है, जिससे उनकी ब्याज दर 6.75त्न हो जाती है। इस बढ़ी हुई दर के कारण उन्हें 1 लाख रुपये के निवेश पर ?21,879 का ब्याज मिलता है और मैच्योरिटी पर कुल ?1,21,879 की रकम वापस होती है।

444 दिनों की स्पेशल एफडी स्कीमयूको बैंक एक 444 दिनों की स्पेशल एफडी स्कीम भी चला रहा है, जिसमें सामान्य नागरिकों को सबसे ज्यादा 6.45त्न और वरिष्ठ नागरिकों को 6.95त्न की दर से ब्याज मिल रहा है।रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए सबसे ज्यादा ब्याजबैंक अपने रिटायर्ड सीनियर सिटीजन स्टाफ को सबसे अधिक लाभ दे रहा है। उन्हें 1 साल से अधिक की एफडी पर सामान्य दरों से 1.50त्न ज्यादा ब्याज मिलता है। इस हिसाब से 444 दिनों की स्पेशल एफडी पर रिटायर्ड सीनियर सिटीजन स्टाफ को 7.95त्न की दर से ब्याज ऑफर किया जा रहा है, जो बैंक की उच्चतम ब्याज दर है।

सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर, ड्रेस अलाउंस के नियमों में हुआ बड़ा बदलाव, अब इस आधार पर मिलेगा पैसा

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लाखों कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले ड्रेस भत्त के नियमों में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। डाक विभाग द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार, अब साल के बीच में नौकरी ज्वाइन करने वाले या रिटायर होने वाले कर्मचारियों को आनुपातिक आधार पर ड्रेस भत्ते का भुगतान किया जाएगा। इस फैसले से कर्मचारियों के बीच भुगतान को लेकर बना कन्फ्यूजन खत्म हो गया है।24 सितंबर 2025 को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जो कर्मचारी साल के बीच में सेवा में आते हैं या रिटायर होते हैं, उन्हें पूरे साल का भत्ता देने के बजाय उनकी सेवा अवधि के अनुपात में भत्ते का भुगतान होगा। यह नया नियम 1 जुलाई 2025 के बाद नौकरी ज्वाइन करने वाले कर्मचारियों पर भी लागू होगा। बता दें कि ड्रेस भत्ता उन कर्मचारियों को दिया जाता है जिन्हें ड्यूटी पर यूनिफॉर्म पहननी होती है। यह भत्ता कपड़ा, जूता और यूनिफॉर्म के रखरखाव समेत कई पुराने भत्तों को मिलाकर दिया जाता है।आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ड्रेस भत्ता आमतौर पर जुलाई महीने की सैलरी के साथ दिया जाता है। इस साल जो कर्मचारी रिटायर हो रहे हैं, उनमें से कई को पहले ही पूरे या आधे भत्ते का भुगतान किया जा चुका है।

नए नियमों के तहत, 1 अक्टूबर 2025 से रिटायर होने वाले कर्मचारियों से किसी भी अतिरिक्त भुगतान की वसूली की जाएगी। हालांकि, सरकार ने राहत देते हुए कहा है कि 30 सितंबर 2025 या उससे पहले रिटायर हो चुके कर्मचारियों से कोई रिकवरी नहीं होगी ।विभाग ने यह भी साफ किया है कि जो कर्मचारी जुलाई 2025 से पहले नौकरी ज्वाइन कर चुके हैं, उन्हें पुराने नियमों के अनुसार ही भत्ता मिलेगा। साथ ही, जिन कार्यालयों में पिछले साल का भत्ता जुलाई 2025 की सैलरी में नहीं जोड़ा गया था, उन्हें इसे तुरंत सही करने का निर्देश दिया गया है।

अगर आपकी गाड़ी में नहीं है फास्ट टैग तो ध्यान दें, सरकार ने टोल टैक्स के नियम में कर दिया है ये बड़ा फेरबदल

नई दिल्ली ,09 अक्टूबर (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने नेशनल हाईवे पर बिना या खराब के साथ यात्रा करने वाले वाहन चालकों को एक बड़ी राहत दी है। अब ऐसे वाहन चालकों को दोगुना टोल टैक्स देने से मुक्ति मिल जाएगी, बशर्ते वे भुगतान के जरिए करें। सरकार ने घोषणा की है कि 15 नवंबर 2025 से यह नया नियम पूरे देश में लागू हो जाएगा। सरकार ने 'नेशनल हाईवे फीस (दरों का निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008' में संशोधन किया है। नए नियम के अनुसार, अगर कोई वाहन बिना वैध के टोल प्लाजा पर कैश में भुगतान करता है, तो उसे पहले की तरह दोगुना टोल देना होगा। लेकिन, अगर वही वाहन चालक के जरिए भुगतान करता है, तो उसे सिर्फ सवा गुना (1.25×) टोल ही देना होगा ।सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह बदलाव हाईवे पर कैश ट्रांजैक्शन को कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। इस कदम से टोल कलेक्शन सिस्टम अधिक तेज और पारदर्शी बनेगा। अब अगर आपका स्न्रस्ञ्जड्डद्द खराब हो गया यदि इसमें बैलेंस नहीं है तो आप यूपीआई के माध्यम से भुगतान करके पेनल्टी पर लगने वाले अतिरिक्त पैसे बचा सकते हैं।इस नए नियम से वाहन चालकों को काफी फायदा होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी टोल पर सामान्य शुल्क 100 रुपये है, तो अब तक कैश में 200 रुपये देने पड़ते थे। लेकिन 15 नवंबर से के जरिए भुगतान करने पर सिर्फ 125 रुपये ही देने होंगे, जिससे सीधे तौर पर 75 रुपये की बचत होगी।

रायगढ़ से हाथियों के एक और दल की एंट्री

अलर्ट मोड पर वन अमला, ग्रामीणों में दहशत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के कटघोरा व कोरबा वनमंडल में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। पड़ोसी रायगढ़ जिले से हाथियों का एक और दल कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में पहुंच गया है। वन अमला अलर्ट मोड पर है। ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

हाथियों के रायगढ़ से पहुंचे दल को मिलाकर क्षेत्र में सक्रिय हाथियों की संख्या बढक़र 52 हो गई है। 15 हाथी पहले से ही यहां के रामपुर सर्किल में घूम रहे थे। बीती रात 37 की संख्या में हाथी रेंज के नोनदरहा क्षेत्र में पहुंच गए हैं। हाथियों के इस दल ने यहां पहुंचते ही उत्पात मचाया और 15 से अधिक किसानों की धान के फसल को तहस-नहस कर दिया। अचानक पहुंचे हाथियों द्वारा फसल रौंदे जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। वहीं पीड़ित ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी करने के साथ नुकसानी के आंकलन में भी जुट गए हैं। उधर कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में 54 हाथी अभी भी सेमरहा सर्किल में डेरा डाले हुए हैं। हाथियों के इस दल ने भी क्षेत्र में उत्पात मचाते हुए बर्रा, सेमरहा तथा हरदेवा गांव में दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों के धान के फसल को रौंद दिया है। हाथियों द्वारा लगातार क्षेत्र में उत्पात मचाया जा रहा है और धान की फसल को तहस-नहस किया जा रहा है जिससे ग्रामीण काफी परेशान हैं। उनके द्वारा लगातार हाथी समस्या के समाधान की मांग रखी जा रही है, लेकिन न तो वन विभाग इस ओर ध्यान दे रहा है और न ही जिला प्रशासन। फलस्वरूप क्षेत्र के ग्रामीण हाथी समस्या से दो-चार होने को मजबूर हैं। करतला रेंज में बड़ी संख्या में हाथियों के एक और दल आने से जिले में सक्रिय हाथियों की संख्या शताधिक हो गई है।

हाथी के हमले में गई विक्षिप्त की जान

कोरबा। जिले के करतला वन मण्डल अंतर्गत ग्राम रामपुर तथा असपास के जंगल में पिछले 15 दिनों से जंगली हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। करीब 50 हाथियों के झुंड ने आसपास के खेत में लगे धान के फसलों को पूरी तरह रौंदकर नुकसान पहुंचाया है। बुधवार रात्रि करीब 11 बजे मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति की दंतैल ने पटक-पटककर जान ले ली है। इस मौत से पूरे रामपुर क्षेत्र में डर का माहौल है। मृत व्यक्ति जो कि पूरी तरह से मानसिक रूप से कमजोर था तथा वह रामपुर के बस स्टैंड में रहता था। लोगों द्वारा फेंके गए कचरे को अपने शरीर पर बांधकर वह घूमता था और दिन भर बस स्टैंड के होटलों से नास्ता खाना मिल जाने पर पेट भर लेता था तथा शाम होते ही किसी कोने में जाकर सो जाता था।मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार शाम वह व्यक्ति बस स्टैंड से निकलकर रामपुर से लगे बिंझकोट की तरफ जा रहा था तथा रात के अंधेरे में जंगल में रुका था तभी दंतैल से उसका सामना हो गया और दंतैल हाथी ने उसकी पटक-पटककर जान ले ली। आसपास के लोग जब हाथी भगाने निकले तब जंगल में उसका शव मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला। फिलहाल लोगों के द्वारा वन विभाग की टीम तथा करतला पुलिस को सूचना दे दिया गया है तथा अग्रिम कार्रवाई जारी है।

सड़क हादसे में गई बाइक चालक की जान

लखनपुर के पेट्रोल पंप के सामने में हुई दुर्घटना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनपुर में एक बार फिर सड़क हादसे ने एक युवक की जान ले ली। अज्ञात भारी वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी और बाइक को लगभग 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में बाइक सवार ओमप्रकाश गुप्ता निवासी जटगा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे एक अन्य युवक को मामूली चोटें आई हैं। यह दर्दनाक दुर्घटना लखनपुर के अभ्युदय पेट्रोल पंप के सामने हुई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। कटघोरा पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि वाहन और उसके चालक की पहचान की जा सके। वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। मृतक ओमप्रकाश गुप्ता के निधन की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पूरा जटगा क्षेत्र शोक में डूब गया है।कटघोरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। आए दिन क्षेत्र में छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि हादसों की मुख्य वजह क्षेत्र की खराब सड़कें और तेज रफ्तार वाहन हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से सड़कों की मरम्मत और स्पीड कंट्रोल के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

दो कबाड़ चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुलिस ने कबाड़ चोरी से जुड़े एक मामले में कासिम खान और पंकज श्रीवास को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने सुनालिया राताखार बायपास रोड में सरकारी कामकाज के लिए रखे गए लोहे के खम्भों को काटने के साथ चोरी की घटना की घटना को अंजाम दिया था।

कबाड़ चोरों की ये हरकत पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। जिसमें देखा गया कि कबाड़ियों के गैंग ने निर्माण का स्थल पर पहुंचकर वहां रखे लोहे के पोल की कटिंग की और फिर एक कर्मचारी द्वारा आपत्ति करने पर उसे मारपीट की। बाद में लोहे के पाइप को गाड़ी में लोड कर आरोपी चलते बने। सरेआम हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए थे। पुलिस ने वीडियो पर संज्ञान लिया और इस बारे में आगे की जांच पड़ताल की। मामले में कासिम खान और पंकज श्रीवास की पहचान करने के साथ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है। आरोपियों के कब्जे से पिकअप वाहन और लोहे के खम्भे बरामद किया गया है।

किसानों पर डाल दिया अतिरिक्त ऋण व खाद का बोझ

आदिवासी सेवा सहकारी समिति मोरगा में भारी अनियमितता , ग्रामीणों ने तीन दिवस के भीतर प्रबंधक को की हटाने की मांग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के आदिवासी सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगा में किसानों का शोषण किया जा रहा है। उनके नाम पर अतिरिक्त ऋण व खाद का बोझ डाला जा रहा है। शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से किसान नराज हैं। अब उन्होंने पुनः कलेक्टर से शिकायत कर समिति प्रबंधक को तीन दिन के भीतर हटाने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर अनिश्तिकालीन धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है।

कलेक्टर से किए गए शिकायत में किसानों ने कहा है कि आदिवासी सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगा में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समिति प्रबंधक के द्वारा मनमाने ढंग से किसानों की मंजूरी के बगैर उनके खातों में गैर कानूनी तरीके से ऋण लिया गया है। साथ ही अनाधिकृत रूप से खाद की मात्रा चढ़ाकर किसानों के नाम पर अतिरिक्त व अनाधिकृत ऋण के रूप में कर्ज में डाल दिया गया है। साथ ही कुछ किसानों के नाम पर विपणन वर्ष 2023-24 में भी अनाधिकृत रूप से ऋण की राशि व खाद की अतिरिक्त मात्रा चढ़ाई गई थी। जिसका भुगतान किसानों के द्वारा अपने स्वयं की धान को देकर किया गया था। जिसकी राशि का भुगतान समिति प्रबंधक के द्वारा आज पर्यन्त तक नहीं किया गया है। शिकायत में मांग की गई है कि अनियमितता को ध्यान में रखते हुए समिति प्रबंधक महेन्द्र शर्मा के खिलाफ उचित कार्रवाई करते हुए उन्हें 3 दिवस के भीतर पद मुक्त किया जाए। कार्रवाई नहीं होने पर समिति में पंजीकृत किसानों द्वारा आदिवासी सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगा के सामने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

बैठक में लिया गया निर्णय

मामले में मंगलवार को समिति के पंजीकृत किसानों की बैठक हुई। जिसमें किसानों के साथ की गई अनियमितता पर चर्चा की गई। 22 सितंबर को कलेक्ट्रेट में आवेदन दिया गया था। जिसका आज तक निराकरण नहीं हुआ। किसानों ने सर्व सम्मति से निर्णय लिया है कि किसानों के नाम पर अतिरिक्त खाद व ऋण की समस्या का निराकरण किया जाए।

कोरोना काल से बंद यात्री सुविधाओं को बूस्टर डोज की दरकार

गेवरारोड रेलवे स्टेशन से ज्यादातर यात्री ट्रेनें हैं बंद

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरोना काल के बाद गेवरारोड रेलवे स्टेशन से ज्यादातर यात्री सुविधाएं बंद हो गई। अब भी गेवरारोड से दो ट्रेनें चल रही है, लेकिन इन ट्रेनों से नियमित रुप से सफर करने वाले यात्रियों के लिए पार्किंग की सुविधा तक नहीं है। ऐसे में यात्रियों को अपनी दो पहिया व चार पहिया वाहनों को सुरक्षित खड़ी करने के लिए परेशान होना पड़ता है। मजबूरी में उन्हें कोरबा रेलवे स्टेशन से सफर करना पड़ रहा है।

गेवरारोड से कोरोना काल में रद्द की गई ट्रेनों में से लगभग आधा दर्जन यात्री ट्रेनें अब भी रद्द है। कोयलांचल क्षेत्र के यात्री रेल सफर को लेकर काफी परेशान हो रहे हैं। लेकिन प्रबंधन इसे लेकर गंभीर नहीं है। हाल ही में उरगा-कुसमुंडा रेल लाइन पर

मालगाड़ी परिचालन के बाद से रद्द ट्रेनों को एक बार फिर से यात्रियों में उम्मीदें बढ़ गई है और यात्री ट्रेनों को नियमित रूप से चलाने की मांग कर रहे हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल अंतर्गत रेलवे प्रबंधन ने उरगा-कुसमुंडा तक लगभग 12 किलोमीटर लंबी रेल लाइन पर सोमवार को 30 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से मालगाड़ी का एमटी रैक परिचालन शुरू हो गया है। प्रबंधन की ओर से इस रेल लाइन पर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाई जाएगी और कोयला लदान इसी रेल लाइन से किया जाएगा। इससे कुसमुंडा-कोरबा रेल लाइन पर कोयला लोड मालगाड़ी का दबाव कम होगा। इससे गेवरारोड स्टेशन से सफर करने वाले यात्रियों की उम्मीदें बढ़ गई है। अब गेवरारोड स्टेशन से कोरोना काल के पहले चल रही सभी यात्री ट्रेनों के परिचालन की मांग कर रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि गेवरारोड रेलवे स्टेशन से रायपुर के लिए एक और बिलासपुर के लिए दो ही ट्रेन चल रही है। जबकि कोविड काल से पहले कोरबा से रवाना होने वाली सभी पैसेंजर और लोकल ट्रेनें गेवरारोड स्टेशन से चलती है। लेकिन वर्तमान में दो ट्रेनों को छोड़कर सभी गाड़ियां कोरबा से ही वापस लौट रही है। इसकी वजह से सफर करने के लिए उन्हें कोरबा रेलवे स्टेशन तक की दौड़ लगानी पड़ रही है।

करवा चौथ: ज्वैलरी व कपड़े की दुकानों में बढ़ी रौनक, पार्लर और बुटीक भी बुक

सुहागिनें सजने-संवरने और पूजन सामग्री खरीदने में व्यस्त, जगह-जगह होंगे सामूहिक पूजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। करवा चौथ का पावन पर्व इस वर्ष 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाने वाला यह व्रत पति की लंबी उम्र और दांपत्य सुख के लिए महिलाएं पूरे दिन निर्जला रहकर करेंगी।

सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक उपवास के बाद महिलाएं चांद को अर्घ्य देकर पूजा संपन्न करेंगी। इस अवसर पर शहर में सोसायटियों, क्लबों और मंदिरों में सामूहिक पूजन का आयोजन होगा। इस बार चतुर्थी तिथि का आरंभ 9 अक्टूबर गुरुवार की रात 2.49 बजे से होगा और यह 10 अक्टूबर शुक्रवार की रात 12.24 बजे तक रहेगी। शाम को चांद निकलने के बाद महिलाएं पूजा-अर्चना कर पति के मंगल और दीर्घायु की कामना करेंगी। शहर के बाजारों में इस बार सूरत सिल्क, साउथ सिल्क और कांजीवरम साड़ियों की सबसे ज्यादा मांग बनी है। महिलाएं पारंपरिक के साथ आधुनिक डिजाइन पसंद कर रही हैं। त्योहार की तैयारी में महिलाएं पूरी तरह रंगी नजर आ रही हैं। पारंपरिक आस्था और आधुनिकता का संगम इस करवाचौथ को और भी खास बना रहा है। परंपरा के साथ करवाचौथ अब फैशन और स्टाइल का भी प्रतीक बन गया है। शहर की न्यूली मैरिड पार्लर से लेकर बुटीक तक तैयारी में जुट गई हैं। उनमें विशेष उत्साह देखा जा रहा है। लाल, मैरून और सुनहरी साड़ियों का ट्रेंड सबसे आगे है। बाजार में महिलाओं की भीड़ उमड़ी रही है। बाजारों में करवा 100 रुपए जोड़ी से लेकर 300 रुपए, चलनी 60 से 300 रुपए और काशी 10 रुपए तक बिकी। बुटीक, साड़ी सेंटर्स पर लाल साड़ी की मांग सबसे अधिक रही, जिनकी कीमतें 800 से 4000 रुपए तक रहीं। स्वर्णाभूषण और पूजा सामग्री की खरीदारी जोरों पर है। ब्यूटी एक्सपर्ट ने बताया कि करवाचौथ को लेकर ग्रूमिंग का सेशन जोरों पर है। खासकर फेशियल, पैडीक्योर, मैनीक्योर, हेयरकट, स्ट्रेटनिंग और कलरिंग जैसे ट्रीटमेंट करवाए जा रहे हैं ताकि पर्व के दिन महिलाएं खास लुक पा सकें।

पुलिसकर्मी से मारपीट करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

तीन आरोपी अभी भी फरार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सिविल लाइन थाना अंतर्गत आईटीआई चौक पर तीन माह पहले पुलिसकर्मी संजय लहरे से मारपीट की घटना सामने आई थी। जहां चार से पांच युवकों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस कर्मी की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही थी। घटना के मुख्य आरोपी चेकपोस्ट निवासी दिव्य साहू को मुखबिर की सूचना पर पोड़ीबहार में एक दोस्त के घर से पकड़ा गया है।

पूछताछ में बातें सामने आई है कि मारपीट के बाद आरोपी अकलतरा स्थित एक निजी कंपनी में काम कर रहा था और

कुछ दिनों पहले ही अपने दोस्त के घर आया हुआ था। बताया जा रहा है कि पुलिस कर्मी के साथ घटना दिनांक को विवाद का कारण कपड़ा खरीदी था। बालको निवासी युवक कपड़ा खरीदने गया हुआ था, जहां दुकानदार से विवाद होने पर उसने फोन कर बालको चेक पोस्ट से दिव्य साहू और अन्य चार लड़कों को बुलाया था जहां पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की गई। पुलिसकर्मी पुलिस लाइन में पदस्थ है। जहां उसने मारपीट के बाद इसकी शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस से की थी।

पुनर्मूल्यांकन में पास छात्रों के लिए 10 दिन तक चलेगी प्रवेश प्रक्रिया

माशिमं का आदेश, 7 से 16 अक्टूबर तक प्रवेश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हाईस्कूल और हायर सेकंडरी द्वितीय मुख्य परीक्षा वर्ष 2025 के पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन परिणाम में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों के प्रवेश संबंधी आदेश जारी किए हैं।

बोर्ड के अनुसार, कक्षा 10वीं उत्तीर्ण छात्रों और कक्षा 12वीं उत्तीर्ण छात्रों के लिए प्रवेश प्रक्रिया 7 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक चलेगी। कुल 10 दिनों की अवधि में योग्य छात्रों को उनके संबंधित स्कूलों में प्रवेश देने की अनुमति दी गई है। मंडल ने कोरबा सहित प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त संस्थाओं के प्राचार्यों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रवेश की पात्रता स्वयं जांच कर सुनिश्चित करें। किसी भी अपात्र छात्र या छात्राओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस संबंध में विशेष सावधानी बरतने का भी आदेश जारी किया गया है। बोर्ड ने इसके साथ ही संभागीय अधिकारियों और स्कूल प्राचार्यों को यह आदेश दिया है कि प्रवेश प्रक्रिया की पूरी जानकारी संबंधित पोर्टल पर अपलोड करें। इसके अलावा, प्रवेश संबंधी सभी अपडेट और सूचनाएं संबंधित संस्थानों और अधिकारियों को समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623